STATE EXPERT APPRAISAL COMMITTEEMINUTES OF 09th April , 2025 784thMEETING

The 784th meeting of the State Expert Appraisal Committee (SEAC) was held on 09st April, 2025 under the Chairmanship of Shri Rakesh Kumar Shrivastava for the projects which are scheduled in the agenda. Following members attended the meeting in person or through video conferencing -

1. Shri Vijay Kumar Ahirwar, Member.
2. Dr. Rakesh Kumar Pandey, Member.
3. Dr. Pallavee Bhatnagar, Member.
4. Dr. Sunita Singh, Member.
5. Dr. Sushil Manderia, Member.
6. Shri A.A. Mishra, Member Secretary.

The Chairman welcomed all the members of the State Expert Appraisal Committee. After that agenda items- wise taken up for deliberations.

1. Case No. P2/984/2024 Shri Vishnu Kumar Singhal, Partner, M/s SHREE SHYAM SARKAR STONE CRUSHER LLP, 502 Satyam Residency, Tower AlkapuriTiraha City Center, Gird, Gwalior (M.P.) - 474011. Prior Environment Clearance for Bilaua Stone Mine for Making Gitti through Crusher (7.231 Ha) at Khasra No.– 3717/2, an Area – 7.231 ha., at atKhasra no. - 2732, 2733, 2734, 2731/1/Min-1, 2755/1/MIN-1, 2755/1/Min-2, 2746, 2747, 2748, 2749, 2750, 2751, 2752/2, 2752/Min-1, 2753, 2754, 2731/2 near Village Bilaua, Tehsil- Dabra, District Gwalior, (M.P.). with Production: Stone – 2,50,000 M3/Year. [519082] (EIA)

प्रकरण आज सेक की 784वीं बैठक दिनांक 09/04/24 को प्रस्तुतीकरण हेतु सूचीबद्ध था, जिसमें परियोजना प्रस्तावक / उनके पर्यावरणीय सलाहकार समिति के समक्ष उपस्थित नहीं हुए । समिति ने चर्चा उपरांत निर्णय लिया कि परियोजना प्रस्तावक से प्रस्तुतीकरण हेतु अनुरोध प्राप्त होने के पश्चात प्रकरण की समीक्षा हेतु विचार किया जा सकेगा ।

2. Case No. P2/171/2023 RAMESH BHUMARKAR,M/s The MP State Mining Corporation Limited, Paryawas Bhawan, Block-A, 2nd Floor, Jail Road, Arera Hills, District-Bhopal (MP)-462011, Prior Environment Clearance for Sand Mine in area of 5.00 Hectare, Khasra No.- 710 in Village - Badagaon , Tehsil - Pathriya, District - Damoh (MP), Maximum Production - 1000 cum per annum [519123]

The case is presented by the the Environmental Consultant Shri MD Mahmood Ghouse, M/s. AmplEnviron Pvt. Ltd., along with PP Shree Shiv kumar Ahirwar, M/s The M.P. State Mining Corporation Ltd., Shri Ramesh Bhumarkar (Authorized Person)

PP submitted following details on Parivesh Portal:

Project details	**Information submitted by PP on the Parivesh portal**	
Name of Project Proponent / Name of Company/ Institute	Shri Ramesh Bhumarkar OIC Sagar District- The Madhya Pradesh State Mining Corporation Limited, Paryavas Bhawan, Block No. 1 (A), Second Floor, Jail Road, Arera Hills, District Bhopal (M.P.) 462011. Prior Environment Clearance for Badagaon Sand Quarry with a Production Capacity of 1000 m3/year having a lease area of 5.00 Ha., at Khasra. No: 710 in Badagaon Village, Pathriya Tehsil, Damoh District, Madhya Pradesh. For-EIA Presentation. SIA/MP/MIN/519123/2025	
Khasra No. / Lease Area / Category of the project	Khasra No. 710	Area in 5.00 Ha. Category of the project -B-1
TOR status on Parivesh Portal	Auto TOR granted on dated 28.02.2024	
Name of River	Kopra Nadhi	
Ekal Certificate Details	Human Habitation – Ankh Khera Village is located at 0.6 Kms (E)	
Gram Panchayat NOC	No adverse comments have been given in the Gram Panchayat NOC.	
Lease status in the District Survey Report **(DSR).**	PP submitted the lease details are mentioned in the DSR's Page no. 13 Sr. no.23	
Public Hearing issues	Public Hearing issues / objections/ suggestions raised during Public Hearing meeting are addressed properly	

	in the EMP and in the CER proposal. (Address here any important/adverse issues if any) **Issues raised:** We have objection our nephews land in the middle of 2 rivers in village Kakra, Khasra No. 152. Please assure us that there will be no problem to our Land due to mining. Please explain. **Response:** Thanks, the mining will be carried out after obtaining necessary clearances and also demarcation of the Approved lease area. There will be no harm to your land. CER Budget: 1.35 Lakhs
Name of Environmental Consultant	Environmental Consultant Shri MD Mahmood Ghouse, M/s. AmplEnviron Pvt. Ltd., (AEPL). Firm's Validity up to 28-12-2026

प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति ने पाया कि गूगल इमेज अनुसार लीज एरिया के मध्य में एक चेकडेम स्थित है एवं नदी तट के दोनों ओर सघन वृक्ष लगे हुये हैं एवं रेत के परिवहन हेतु निर्गम मार्ग उपलब्ध नहीं है। अतः समिति ने चर्चा उपरांत निर्णय लिया कि कि रेत के परिवहन हेतु निर्गम मार्ग उपलब्ध न होने, सघन वृक्षारोपण, तथा चेकडेम की उपस्थिति के कारण इस प्रकरण में पर्यावरणीय अभिस्वीकृति हेतु विचार किये जाने की अनुशंसा नहीं है।

3. <u>Case No 10681/2023 Shri Vishal Raghuwanshi, Owner, R/o Ashok Nagar Road, Khamkheda, District-Guna (MP)-473101, Prior Environment Clearance for Khamkheda Crusher Stone Quarry in an area of 4.00 ha. (10830 cum per year) (Khasra No. 136/2/k), Village-Khamkhera, Tehsil-Aron, District-Guna (MP) -EIA Presentation.</u>

प्रस्तावित खदान का आज दिनांक 09/04/2025 को परियोजना प्रस्तावक एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री सतवंत सिंह M/s Acro Design & Engineering, Ghaziabad(U.P.). उपस्थित हुए और उनके द्वारा समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया गया।

परियोजना विवरण	**परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज**
परियोजना प्रस्तावक, परियोजना / कम्पनी /संस्थान का नाम व पता	Shri Vishal Raghuwanshi, Owner, R/o Ashok Nagar Road, Khamkheda, District-Guna (MP)-473101, Prior Environment Clearance for Khamkheda Crusher Stone Quarry in an area of 4.00 ha. (10,830 cum per year) (Khasra No. 136/2/k), Village-Khamkhera, Tehsil-Aron, District-Guna (MP) [441497]
परियोजना का खसरा नं./लीज क्षेत्रफल	खसरा नं.–136/2/k, एरिया– 4.00 ha., शासकीय भूमि
परियोजना स्थल	ग्राम– खामखेरा, तहसील – आरोन, जिला– गुना (म.प्र.).
सैधांतिक सहमति	पत्र क्र0. 3175 दिनांक 20/03/2018.
परियोजना की श्रेणी	बी–1.
लोक सुनवाई तिथि	22/05/2024.
जल/वायु सम्मति नवीनीकरण	वैद्यता दिनांक 21/03/2021 तक।
टॉर विवरण	टॉर अनुशंसित 698वी. सेक बैठक दिनांक 07/12/2023.
खनन् कार्य ब्लास्टिंग/रॉक ब्रेकर	Blasting Proposed (As per Mine Plan Chapter – IV) Single Row Blasting(As per Parivesh Portal information given).
डिया द्वारा जारी ई.सी. का विवरण (यदि लागू हो)	**डिया द्वारा पूर्व में ई.सी. दिनांक 12/03/2018 को जारी की गई थी।**
सीटीओ की वैद्यता की अवधि	**म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी संचालन सम्मति (सीटीओ) की वैधता दिनांक 21/03/2021 तक थी।**
उत्पादन क्षमता	**स्टोन – 10,830 घन मी/वर्ष।**
परियोजना के 500 मीटर की परिधि में	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला गुना के एकल

संचालित /स्वीकृत अन्य खदानों का विवरण।	प्रमाण–पत्र क्रमांक 335 दिनांक 14/08/2023 अनुसार 500 मीटर की परिधि में 01 अन्य खदानें स्वीकृत है, जिनको मिलाकर कुल रकबा 6.00 हे. होता है, अतः प्रकरण बी–1 श्रेणी के अंतर्गत आता है।
परियोजना के संबंध में डीएफओ की एनओसी	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला गुना के एकल प्रमाण–पत्र क्रमांक 335 दिनांक 14/08/2023 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में नेशनल पार्क/ अभ्यारण्य/ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता एवं 250 मीटर में वन क्षेत्र स्थित नहीं है।
परियोजना के संबंध राजस्व जानकारी	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला गुना के एकल प्रमाण–पत्र क्रमांक 335 दिनांक 14/08/2023 अनुसार 500 मीटर की परिधि में मानव बसाहट, शैक्षणिक संस्थान, नाला इत्यादि स्थित नहीं है।
ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत/	ग्राम पंचायत– खामखेड़ा जिला – गुना का ठहराव प्रस्ताव क्र0. 02 दिनांक 28/12/2017 द्वारा अनापत्ति पत्र जारी किया गया है।
प्रस्तावित स्थल पर वृक्षों की वर्तमान स्थिति	Tree Existed-No
प्रस्तावित खदान की गूगल इमेज अनुसार स्थिति (यदि सेटबैक आवश्यक हो)	खदान क्षेत्र खुदा हुआ है। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि पिट का उल्लेख माईनिंग प्लान के पेज न. 15 में किया गया है। उत्तर दिशा– कच्चा रोड 155 मी
	पूर्व दिशा– पक्का रोड 155 मी
जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट की स्थिति	परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं.– 33 के सरल क्रमांक – 27 पर दर्ज है।

प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि लीज क्षेत्र के उत्तर पश्चिमी भाग में कुछ हटमेंट्स स्थित है जिसके संबंध में उनके द्वारा 200 मीटर तक का क्षेत्र गैर खनन के रूप में छोड़ा गया है। प्रकरण के प्रस्तुतीकरण के पश्चात् समिति ने परियोजना प्रस्तावक को निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिये :–

- बैठक के दौरान ईआईए रिपोर्ट में पाई गई त्रुटियों को संशोधित/परिवर्धन कर सुझाव अनुसार संशोधित कर प्रस्तुत करें।
- लीज क्षेत्र के उत्तर पश्चिमी भाग में कुछ हटमेंट्स होने के कारण 200 मीटर तक छोड़े जाने वाले गैर खनन को सरफेस मेप में खनन क्षेत्र एवं गैर खनन क्षेत्र को दर्शाते हुये प्रस्तुत करें।
- सी.ई.आर. गतिविधि के अन्तर्गत समिति द्वारा सुझाये अनुसार जन सुनवाई में उठाये गये संवेदनशील बिन्दुओं/शासकीय प्राथमिक/माध्यमिक/उच्चतर शालाओं में सोलर

पेनल/सोलर लाईट की व्यवस्था/प्राथमिक/माध्यमिक शालाओं में विज्ञान मॉडल वितरण एवं विज्ञान शिक्षा प्रचार संबंधी वॉल पेन्टिंग आदि के प्रस्ताव के साथ संशोधित सी.ई. आर. योजना प्रस्तुत करें।

4. Case No. 11084/2023 Shri Rajkumar Agrawal R/o Tilak Ward, District Mandla (MP)-481661 Prior Environment Clearance for Dolomite Mine in an area of 2.30 ha. (52976 ton per year) (Khasra No. 94), Village-Bhatiyatola, Tehsil-Nainpur, District Mandla (MP) [522721] [DEIAA] (EIA)

प्रस्तावित खदान बी–1 श्रेणी के अंतर्गत डिया द्वारा जारी पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति के पुनर्मूल्यांकन का है, जिसमें आज दिनांक 09/04/2025 को परियोजना प्रस्तावक के पर्यावरणीय सलाहकार श्री पुनीत वर्दिया मेसर्स कांग्नीजेंस रिसर्च इंडिया प्रा.लि., नोएडा, उ.प्र. उपस्थित हुए और उनके द्वारा समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया गया ।

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज	
परियोजना प्रस्तावक का नाम व पता	Shri RAJKUMAR AGRAWAL, PROPONENT, TILAK WARD, MANDLA DISTRICT-MANDLA (MP)	
खसरा नं./ क्षेत्रफल (सरकारी/निजी)	94 (निजी–नॉन फॉरेस्ट लेंड)	2.30 hectare.
स्थल	Village: Bhatiyatola Tehsil- Nainpur, District-Mandla, (M.P.)	
लीज स्वीकृति	मध्यप्रदेश शासन, खनिज साधन विभाग, मंत्रालय–भोपाल के पत्र क्रमांक एफ 3–126/92/12/2 दिनांक 22/10/11 के द्वारा स्वीकृत ।	
ब्लास्टिंग/रॉक ब्रेकर	ब्लास्टिंग प्रस्तावित है ।	
प्रकरण की स्थिति	नया प्रोजेक्ट ।	
डिया ई.सी. का विवरण (यदि लागू हो)	डिया मण्डला के पत्र क्रमांक 60 दिनांक 17/08/16 के द्वारा डोलोमाइट–53,000 घनमीटर/वर्ष हेतु पर्यावरणीय अनापत्ति प्राप्त है।	
उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा डोलोमाइट–52,976 घनमीटर/वर्ष हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन् योजना अनुसार डोलोमाइट–52,976 घनमीटर/वर्ष है।	
TOR	At SEAC 740 dated 24/04/20204	
500 मीटर की परिधि में अन्य खदानें	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मण्डला के एकल प्रमाण–पत्र क्रमांक 1394 दिनांक 21/08/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में 14 अन्य खदानें संचालित/स्वीकृत है, इस प्रकार कुल रकबा 47.468 हे. होता है, अतः प्रकरण बी–1 श्रेणी का है।	
वन मण्डलाधिकारी की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मण्डला के एकल प्रमाण–पत्र क्रमांक 1394 दिनांक 21/08/23 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में नेशनल पार्क/अभ्यारण्य/ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता क्षेत्र स्थित नहीं है । आवेदित क्षेत्र भूमि वन सीमा से लगी हुई है। पट्टेदार को उत्खनिपट्टा दिनांक 19/03/1993 से स्वीकृत है। मध्यप्रदेश शासन, वन विभाग मंत्रालय भोपाल के पत्र क्रमांक एफ–5/16/81/10–3	

	दिनांक 07/10/02 की कंडिका 2(छः) अनुसार वर्ष 2002 से पूर्व स्वीकृत उत्खनिपट्टा में 250 मीटर की दूरी में स्थित खनि रियायत के संबंध में गठित समिति संबंधी आदेश लागू नहीं होंगे।
तहसीलदार की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मण्डला के एकल प्रमाण–पत्र क्रमांक 1394 दिनांक 21/08/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में मानव बसाहट, शैक्षणिक संस्थान, चिकित्सालय, पुरातत्व धरोहर, राष्ट्रीय महत्व के स्मारक, रेल्वे लाईन/सार्वजनिक भवन/शमशान घाट/राष्ट्रीय राजमार्ग/ संवेदनशील क्षेत्रों जैसे : रेडियो स्टेशन, दूरदर्शन, हवाई अड्डा, प्रतिरक्षा संस्थान एवं जलीय निकाय/नदी/ तालाब/ बांध/स्टॉप डैम/नहर/ग्रामीण कच्चा/पक्का रास्ता/नाला नहीं है ।
ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत की अनापत्ति	ग्राम पंचायत मुगदरा जिला मण्डला के ठहराव प्रस्ताव क्रमांक–19 दिनांक 02/02/14 अनुसार प्रस्तावित स्थल पर खनन् कार्य से पंचायत को कोई आपत्ति नहीं है ।
प्रस्तावित खदान की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में स्थिति	परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिले की अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं.–70 के सरल क्रमांक–5 पर दर्ज है ।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिए गए प्रस्तुतीकरण, पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति विशिष्ट शर्तो एवं स्टेण्डर्ड शर्तो संलग्नक–ए अनुसार निम्नानुसार पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती हैः–

- अनुमोदित खनन् योजना अनुसार उत्पादन क्षमता डोलोमाईट–52,976 घनमीटर/वर्ष
- पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रू. 24.53 लाख एवं रिकरिंग राशि रू. 4.31 लाख प्रति वर्ष।
- वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार कम से कम 2760 वृक्षों का वृक्षारोपण किये जाये।
- सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रू. 2.0 लाख :–

S no.	Activity	Capital cost
1.	Maintainence of Playground, Volleyball Court, fencing Around Ground & sports items for children in village Mugdara.	1,20,000
2.	Installation of solar Street light in Villages Bhatiyatola	80,000
Total		**2,00,000**

5. Case No.10787/2023 Executive Director: - Shri Jigar Bambhaniya M/s M.K.C Infrastructure Ltd, R/o Add. –M.K.C. House, 10 Shivnagar, Anjar Ring Road, Opposite Gulab Mil, Anjar Katch (Gujrat), Prior Environment Clearance for Muhal Dehar Stone Quarry in an area of 3.569 ha. Stone -41,895 m3/year) (Khasra No. 117/5), Village- Muhal Dehar, Tehsil- Shadora, District-Ashoknagar (M.P.) [DEIAA] (EIA).

प्रस्तावित खदान बी–1 श्रेणी के अंतर्गत डिया द्वारा जारी पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति के पुनर्मूल्यांकन का है, जिसमें आज दिनांक 09.04.2025 को परियोजना प्रस्तावक श्री जिगर बामभनिया प्रशासनिक संचालक मेसर्स एम.के.सी इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड एवं उनके पर्यावरणीय सलाहाकार श्री राम राघव, मेसर्स ग्रीन सर्कल आईएनसी, बडौदा, गुजरात उपस्थित हुए और उनके द्वारा समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया गया।

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज	
परियोजना प्रस्तावक का नाम व पता	श्री जिगर बामभनिया प्रशासनिक संचालक मेसर्स एम.के.सी इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड निवासी–एम.के.सी हाउस 10 शिवनगर अंजार रिंग रोड अपोजिट गुलाब मिल, अंजार कच्छ (गुजरात)	
खसरा नं./ क्षेत्रफल (सरकारी/निजी)	117/5 (शासकीय भूमि–नॉन फॉरेस्ट लेंड)	3.569 हे.
स्थल	Village-Muhal Dehar, Tehsil- Shadora, District-Ashoknagar (M.P.)	
लीज स्वीकृति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला अशोकनगर के पत्र क्रमांक.803 दिनांक 29/12/2016 के द्वारा अवधि दिनांक 12/01/2017 से 11/01/2027 तक के लिए स्वीकृत है स्वीकृत ।	
ब्लास्टिंग/रॉक ब्रेकर	अनुमोदित खनन् योजना अनुसार ब्लास्टिंग प्रस्तावित है ।	
प्रकरण की स्थिति	बी–1 डिया प्रकरण	
डिया ई.सी. का विवरण (यदि लागू हो)	डिया अशोकनगर के पत्र क्रमांक 15 दिनांक 20.12.2016 के द्वारा पत्थर –41,895 घनमीटर/वर्ष हेतु पर्यावरणीय अनापत्ति प्राप्त है।	
टॉर	सेक की 707 वीं बैठक दिनांक 29.12.2023 को अनुशंसित, सिया के पत्र क्रमांक 2904/SEIAA/2024 दिनांक 14.02.2024 के द्वारा उत्पादन क्षमता 41,895 घनमीटर/वर्ष पत्थर के लिए टॉर जारी किया गया है, जिसके अनुसार परियोजना प्रस्तावक द्वारा ईआईए रिपोर्ट समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई ।	
उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा पत्थर–41,895 घनमीटर/वर्ष हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन् योजना अनुसार 41,895 घनमीटर/वर्ष है।	
500 मीटर की	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला अशोकनगर के एकल प्रमाण–पत्र	

परिधि में अन्य खदानें	क्रमांक 645 दिनांक 06/09/2023 अनुसार 500 मीटर की परिधि में 02 अन्य खदानें संचालित/स्वीकृत है, खदान का रकबा 7.279 हे. है। इस प्रकार इस खदान को मिलाकर कुल रकबा 10.848 हे. होता है, अतः प्रकरण बी–1 श्रेणी का है।
वन मण्डलाधिकारी की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला अशोकनगर के एकल प्रमाण–पत्र क्रमांक 645 दिनांक 06/09/2023 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में नेशनल पार्क/अभ्यारण्य/ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता क्षेत्र स्थित नहीं है एवं 250 मीटर में वन क्षेत्र स्थित नहीं है।
तहसीलदार की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला अशोकनगर के एकल प्रमाण–पत्र क्रमांक 645 दिनांक 06/09/2023 अनुसार 500 मीटर की परिधि में मानव बसाहट, शैक्षणिक संस्थान, चिकित्सालय, पुरातत्व धरोहर, राष्ट्रीय महत्व के स्मारक, रेल्वे लाईन/सार्वजनिक भवन/शमशान घाट/राष्ट्रीय राजमार्ग/ संवेदनशील क्षेत्रों जैसे : रेडियो स्टेशन, दूरदर्शन, हवाई अड्डा, प्रतिरक्षा संस्थान एवं जलीय निकाय/नदी/ तालाब/ बांध/स्टॉप डैम/नहर/ग्रामीण कच्चा/पक्का रास्ता /नाला नहीं है ।
ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत की अनापत्ति	कार्यालय नगर परिषद शाढ़ौरा जिला अशोकनगर के क्रमांक 386 दिनांक 17.05.2016 अनुसार प्रस्तावित स्थल पर खनन् कार्य से पंचायत को कोई आपत्ति नहीं है ।
क्रेशर की स्थिति	क्रेशर लीज क्षेत्र लीज के बाहर प्रस्तावित है।
प्रस्तावित स्थल पर वृक्षों की वर्तमान स्थिति	• विस्थापित किये जाने पेड़ विवरण – 12 • विस्थापित किये जाने पेड़ को बैरियर जोन अथवा एप्रोच रोड पर लगाए जावेंगे ।
प्रस्तावित स्थल की गूगल इमेज अनुसार वर्तमान स्थिति	उत्खनिपट्टे के दक्षिण दिशा में 490 मीटर की दूरी पर मानव बसाहट है ।
जन सुनवाई	प्रस्तावित खदान की जन सुनवाई दिनांक 21/09/2024 को संपन्न हुई जिसमे। रास्ता सही रहे पानी छिडकाव की व्यवस्था की जाये स्कूल की छत सही करवाई जाये मंदिर में प्रोत्साहन किया जाये आंगनवाडी में पंखा लगाये जाये उपरोक्त आपत्तियॉ/सुझाव प्राप्त हुए, जिसे पर्यावरणीय प्रबंधन योजना/सी.एस. आर में बजट के साथ शामिल किया गया है ।
प्रस्तावित खदान की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट	परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिले की अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं.–24 के सरल क्रमांक–13

में स्थिति	पर दर्ज है ।

प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक के सलाहकार द्वारा DEIAA शर्तों का पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। जिसके अनुसार पौधारोपण, फेंसिंग एवं CER कार्यों का प्रस्तुतीकरण किया गया।

After deliberations and the submissions and presentation made by the PP were found to be satisfactory and acceptable hence, **the case is recommended for grant of Environment Clearance for Muhal Dehar Stone Quarry in an area of 3.569 ha. (Stone- 41,895 m3/year) (Khasra No. 117/5), Village- Muhal Dehar, Tehsil- Shadora, District- Ashoknagar (M.P.) With Standard and following specific conditions with Annexure "A":**

- As per the approved mining plan, the production capacity will **Stone- 41,895 m3/year).**
- Under the Environmental Management Plan, a capital expenditure of Rs. 11.59 lakh and a recurring expenditure of Rs. 2.97 lakh per year.
- Under the plantation program, 4,400 trees will be planted.
- An amount of Rs. 1.20 lakh has been allocated for CER activity as under -

Particular	**Budget**
3.0 kW capacity solar panel system will be installed in utkrasth Uccha Shaskiya madhyamik Vidyalaya Shahdora Village.	Rs. **1,20,000/-**
Total	Rs. **1,20,000/-**

6. Case No.11173/2024Smt. Lata Gupta W/o Late Shri Mohanlal Gupta, Lessee, R/o Add. –18,ShreeRam Kutir, Tansen Rd District- Gwalior (M.P.), Prior Environment Clearance for Bilaua Stone Quarry in an area of 2.00ha. Stone-50,000m3/year) (Khasra No. 3717/2), Village-Bilaua, Tehsil-Dabra, District-Gwalior(M.P.) (MP) [DEIAA] (EIA).

प्रस्तावित खदान बी–1 श्रेणी के अंतर्गत डिया द्वारा जारी पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति के पुनर्मूल्यांकन का है, जिसमें आज दिनांक 09.04.2025 को परियोजना प्रस्तावक श्रीमती लता गुप्ता पत्नी स्व. श्री मनोहरलाल गुप्ता एवं उनके पर्यावरणीय सलाहाकार श्री राम राघव, मेसर्स ग्रीन सर्कल आईएनसी, बडौदा, गुजरात उपस्थित हुए और उनके द्वारा समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया गया ।

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज	
परियोजना प्रस्तावक का नाम व पता	श्रीमती लता गुप्ता पत्नी स्व. श्री मनोहरलाल गुप्ता निवासी–18, श्री राम कुटीर कृष्णा कॉलोनी, तानसेन रोड़ जिला ग्वालियर (म.प्र.)	
खसरा नं./ क्षेत्रफल (सरकारी/निजी)	3717/2 (शासकीय भूमि–नॉन फॉरेस्ट लेंड)	2.00 हे.
स्थल	Village- Bilaua, Tehsil- Dabra, District- Gwalior (M.P.)	
लीज स्वीकृति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला ग्वालियर के पत्र क्रमांक.11789 दिनांक 12/10/2022 के द्वारा अवधि दिनांक 28.08.2023 से 27.08.2033 तक के लिए नवीनीकरण की गयी ।	
ब्लास्टिंग/रॉक ब्रेकर	अनुमोदित खनन् योजना अनुसार ब्लास्टिंग प्रस्तावित है ।	
प्रकरण की स्थिति	बी–1 डिया प्रकरण	
डिया ई.सी. का विवरण (यदि लागू हो)	डिया ग्वालियर के पत्र क्रमांक 1182 दिनांक 22.2.2017 के द्वारा पत्थर –50,000 घनमीटर/वर्ष हेतु पर्यावरणीय अनापत्ति प्राप्त है।	
टॉर	सेक की 742 वीं बैठक दिनांक 26.04.2024 को अनुशंसित, सिया के पत्र क्रमांक 1040/SEIAA/2024 दिनांक 03.06.2024 के द्वारा उत्पादन क्षमता 50,000 घनमीटर/वर्ष पत्थर के लिए टॉर जारी किया गया है, जिसके अनुसार परियोजना प्रस्तावक द्वारा ईआईए रिपोर्ट समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई ।	
उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा पत्थर–50,000 घनमीटर/वर्ष हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन् योजना अनुसार 50,000 घनमीटर/वर्ष है।	
500 मीटर की परिधि में अन्य खदानें	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला ग्वालियर के एकल प्रमाण–पत्र क्रमांक 1534 दिनांक 26/12/2023 अनुसार 500 मीटर की परिधि में 26 अन्य खदानें संचालित/स्वीकृत है, खदान का रकबा 42.649 हे. है। इस	

	प्रकार इस खदान को मिलाकर कुल रकबा 44.649 हे. होता है, अतः प्रकरण बी–1 श्रेणी का है।
वन मण्डलाधिकारी की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला ग्वालियर के एकल प्रमाण–पत्र क्रमांक 1534 दिनांक 26/12/2023 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में नेशनल पार्क/अभ्यारण्य/ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता क्षेत्र स्थित नहीं है एवं 250 मीटर में वन क्षेत्र स्थित नहीं है।
तहसीलदार की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला ग्वालियर के एकल प्रमाण–पत्र क्रमांक 1534 दिनांक 26/12/2023 अनुसार 500 मीटर की परिधि में मानव बसाहट, शैक्षणिक संस्थान, चिनिकत्सालय, पुरातत्व धरोहर, राष्ट्रीय महत्व के स्मारक, रेल्वे लाईन/सार्वजनिक भवन/शमशान घाट/राष्ट्रीय राजमार्ग/ संवेदनशील क्षेत्रों जैसे : रेडियो स्टेशन, दूरदर्शन, हवाई अड्डा, प्रतिरक्षा संस्थान एवं जलीय निकाय/नदी/ तालाब/ बांध/स्टॉप डैम/नहर/ग्रामीण कच्चा/पक्का रास्ता /नाला नहीं है ।
ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत की अनापत्ति	तहसील कार्यालय डबरा जिला ग्वालियर दिनांक 04–07–2002 को जारी अनापत्ति पत्र के अनुसार खनन कार्य से कोई आपत्ति नहीं है ।
क्रेशर की स्थिति	क्रेशर लीज क्षेत्र लीज के बाहर प्रस्तावित है।
प्रस्तावित स्थल पर वृक्षों की वर्तमान स्थिति	• खनन क्षेत्र में स्थित पेड़ो का विवरण – 00
प्रस्तावित स्थल की गूगल इमेज अनुसार वर्तमान स्थिति	दक्षिण दिशा – दक्षिण दिशा में लगभग 94 मीटर पर खदानों के लिए हॉल रोड स्थित है
जन सुनवाई	प्रस्तावित खदान की जन सुनवाई दिनांक 19/09/2024 को संपन्न हुई जिसमे। रोजगार दिया जाये। वृक्षारोपण का प्रबंध किया जाये। उपरोक्त आपत्तियॉ/सुझाव प्राप्त हुए, जिसे पर्यावरणीय प्रबंधन योजना/सी.एस. आर में बजट के साथ शामिल किया गया है ।
प्रस्तावित खदान की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में स्थिति	परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिले की अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं.–23 के सरल क्रमांक–5 पर दर्ज है ।

प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक के सलाहकार द्वारा **DEIAA** शर्तों का पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। जिसके अनुसार पौधारोपण, फेंसिंग एवं **CER** कार्यों का प्रस्तुतीकरण किया गया।

After deliberations and the submissions and presentation made by the PP were found to be satisfactory and acceptable hence, **the case is recommended for grant of Environment Clearance for Bilaua Stone Quarry in an area of 2.00 ha. (Stone- 50,000 m3/year) (Khasra No. 3717/2), Village- Bilaua, Tehsil- Dabra, District- Gwalior (M.P.) With Standard and following specific conditions with Annexure "A":**

- As per the approved mining plan, the production capacity - **Stone- 50,000 m3/year).**
- Under the Environmental Management Plan, a capital expenditure of Rs. 8.08 lakh and a recurring expenditure of Rs. 2.77 lakh per year.
- Under the plantation program, **2400** trees will be planted.
- An amount of Rs. 1.45 lakh has been allocated for CER activities as under-

Particular	**Budget**
A 3.0 kW capacity solar panel system will be installed at the Govt. Middle School Lakhanpura .	Rs. **1,20,000/-**
Painting in walls with colorful educational & science-related themes in Govt. Middle School Lakhanpura	Rs. **25,000/-**
Total	Rs. **1,45,000/-**

7. **Case No.- P2/32/2024 Smt. Neelam Ramdiya, Lessee, R/o Add. –Friganj, Shujalpur Tehsil Shujalpur District Shajapur (M.P.), Prior Environment Clearance for Hirana Stone Quarry in an area of 3.266ha. Stone(Gitti) - 17,242m3/year& max. 9546 cu.mt/year murrum) (Khasra No. 635/2, 629/4, 629/5, 629/1, 629/2/4, 632/1, 632/2), Village- Village-Hirana, Tehsil- Shujalpur, District-Shajapur (M.P.) [DEIAA] (EIA).**

प्रस्तावित खदान बी–1 श्रेणी के अंतर्गत डिया द्वारा जारी पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति के पुनर्मूल्यांकन का है, जिसमें आज दिनांक 09.04.2025 को परियोजना प्रस्तावक श्रीमती नीलम रामडिया पति श्री मनीष रामडिया एवं उनके पर्यावरणीय सलाहाकार श्री राम राघव, मेसर्स ग्रीन सर्कल आईएनसी, बडौदा, गुजरात उपस्थित हुए और उनके द्वारा समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया गया ।

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज	
परियोजना प्रस्तावक का नाम व पता	श्रीमती नीलम रामडिया पति श्री मनीष रामडिया निवासी फ्रीगंज तहसील शुजालपुर जिला शाजापुर (म.प्र.)	
खसरा नं./ क्षेत्रफल (सरकारी/निजी)	No. 635/2, 629/4, 629/5, 629/1, 629/2/4, 632/1, 632/2(निजी भूमि–नॉन फॉरेस्ट लेंड)	3.266 हे.
स्थल	Village- Hirana, Tehsil- Shujalpur, District- Shajapur (M.P.)	
लीज स्वीकृति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला शाजापुर के पत्र क्रमांक. 780 दिनांक 23/09/2017 के द्वारा अवधि दिनांक 16.11.2017 से 15.11.2027 तक के लिए स्वीकृत है ।	
ब्लास्टिंग/रॉक ब्रेकर	अनुमोदित खनन् योजना अनुसार ब्लास्टिंग प्रस्तावित है ।	
प्रकरण की स्थिति	बी–1 डिया प्रकरण	
डिया ई.सी. का विवरण (यदि लागू हो)	डिया शाजापुर के पत्र क्रमांक 1495 –1502 दिनांक 07.03.2018 के द्वारा पत्थर (गिट्टी) –17,242 घनमीटर /वर्ष हेतु पर्यावरणीय अनापत्ति प्राप्त है।	
टॉर	सेक की 725 वीं बैठक दिनांक 20.02.2024 को अनुशंसित, सिया के पत्र क्रमांक 136/SEIAA/2024 दिनांक 15.04.2024 के द्वारा उत्पादन क्षमता 17,242 घनमीटर/वर्ष पत्थर(गिट्टी) एवं मुरुम max.9,546 घनमीटर/वर्ष के लिए टॉर जारी किया गया है, जिसके अनुसार परियोजना प्रस्तावक द्वारा ईआईए रिपोर्ट समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई ।	
उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा पत्थर(गिट्टी) –17,242 घनमीटर/वर्ष पत्थर(गिट्टी) एवं मुरुम max. 9,546 घनमीटर/वर्ष हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन् योजना अनुसार 17,242 घनमीटर/वर्ष पत्थर(गिट्टी) एवं मुरुम max.9,546 घनमीटर/वर्ष है।	

500 मीटर की परिधि में अन्य खदानें	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला शाजापुर के एकल प्रमाण–पत्र क्रमांक 1258 दिनांक 6/11/2023 अनुसार 500 मीटर की परिधि में 2 अन्य खदानें संचालित/स्वीकृत है, खदान का रकबा 3.266. है। इस प्रकार इस खदान को मिलाकर कुल रकबा 5.266 हे. होता है, अतः प्रकरण बी–1 श्रेणी का है।
वन मण्डलाधिकारी की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला शाजापुर के एकल प्रमाण–पत्र क्रमांक 1258 दिनांक 6/11/2023 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में नेशनल पार्क/अभ्यारण्य/ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता क्षेत्र स्थित नहीं है एवं वन सीमा 35 किलो मीटर दूरी पर स्थित है ।
तहसीलदार की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला शाजापुर के एकल प्रमाण–पत्र क्रमांक 1258 दिनांक 6/11/2023 अनुसार 500 मीटर की परिधि में मानव बसाहट, शैक्षणिक संस्थान, चिकित्सालय, पुरातत्व धरोहर, राष्ट्रीय महत्व के स्मारक, रेल्वे लाईन/सार्वजनिक भवन/शमशान घाट/राष्ट्रीय राजमार्ग/ संवेदनशील क्षेत्रों जैसे : रेडियो स्टेशन, दूरदर्शन, हवाई अड्डा, प्रतिरक्षा संस्थान एवं जलीय निकाय/नदी/ तालाब/ बांध/स्टॉप डैम/नहर/ग्रामीण कच्चा/पक्का रास्ता /नाला नहीं है ।
ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत की अनापत्ति	कार्यालय ग्राम पंचायत गैरखेड़ी जिला शाजापुर के क्रमांक 17 दिनांक 16. 08.2017 अनुसार प्रस्तावित स्थल पर खनन् कार्य से पंचायत को कोई आपत्ति नहीं है ।
क्रेशर की स्थिति	क्रेशर लीज क्षेत्र लीज के अंदर प्रस्तावित है।
प्रस्तावित स्थल पर वृक्षों की वर्तमान स्थिति	• विस्थापित किये जाने पेड़ विवरण – 1 • विस्थापित किये जाने पेड़ को बैरियर जोन अथवा एप्रोच रोड पर लगाए जावेंगे ।
प्रस्तावित स्थल की गूगल इमेज अनुसार वर्तमान स्थिति	उत्तर दिशा – उत्खनिपट्टे के उत्तर दिशा में 300 मीटर एक पक्का रोड स्थित है ।
जन सुनवाई	प्रस्तावित खदान की जन सुनवाई दिनांक 21/11/2024 को संपन्न हुई जिसमे। रोजगार दिया जाये। धूल का ध्यान रखा जाये वृक्षारोपण का प्रबंध किया जाये। उपरोक्त आपत्तियॉ/सुझाव प्राप्त हुए, जिसे पर्यावरणीय प्रबंधन योजना/सी.एस. आर में बजट के साथ शामिल किया गया है ।
प्रस्तावित खदान की	परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिले की

जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में स्थिति	अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं.–42 के सरल क्रमांक–59 पर दर्ज है ।

प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक के सलाहकार द्वारा DEIAA शर्तों का पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। जिसके अनुसार पौधारोपण, फेंसिंग एवं CER कार्यों का प्रस्तुतीकरण किया गया।

After deliberations and the submissions and presentation made by the PP were found to be satisfactory and acceptable hence, **the case is recommended for grant of Environment Clearance for Hirana Stone Quarry in an area of 3.266 ha. (17,242 Cu.mt/year Stone (Gitti) & max. 9546 cu.mt/year murrum) (Khasra No. 635/2, 629/4, 629/5, 629/1, 629/2/4, 632/1, 632/2), Village- Hirana, Tehsil- Shujalpur, District- Shajapur (M.P.) With Standard and following specific conditions with Annexure "A":**

- As per the approved mining plan, the production capacity -**Stone (Gitti) 17,242 Cu.mt/year & Murrum 9546 cu.mt/year.**
- Under the Environmental Management Plan, a capital expenditure of Rs. 10.74 lakh and a recurring expenditure of Rs. 3.42 lakh per year.
- Under the plantation program, **3930** trees will be planted.
- An amount of Rs. 1.0 lakh has been allocated for CER activities as under-

Particular	**Budget**
1. Renovation and Repair of the Anganwadi located in Village Gerkhedi 2. Painting village Anganwadi walls with colorful educational themes, including alphabets, numbers, animals, and storytelling illustrations 3. Distribution of playing items.	Rs. **1,00,000/-**
Total	Rs. **1,00,000/-**

8. <u>Case No. 10846/2023 Shri Rahul Patwala, Lessee, R/o 72, Sukh Niwas, Rau Rangwasa, District-Indore (MP)-453331, Prior Environment Clearance for Morukhedi Stone Quarry in an area of 3.730 ha. (31350 cum per year) (Khasra No. 204, 205, 206, 218/2), Village-Molakhedi, Tehsil-Ujjain, District-Ujjain (MP) [518982] [DEIAA] (EIA)</u>

प्रस्तावित पत्थर खदान बी–1 श्रेणी के अंतर्गत डिया द्वारा जारी पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति के मूल्यांकन के लिए टॉर का है, जिसमें आज दिनांक 09/04/25 को परियोजना प्रस्तावक श्री प्रदीप सिंह एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री अमित सक्सेना, मेसर्स एपेक्स मिनटेक कांसल्टेंट, उदयपुर, उपस्थित हुए और उनके द्वारा समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया गया ।

परियोजना विवरण	**परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज**	
परियोजना प्रस्तावक का नाम व पता	Shri RAHUL PATWALA, Lessee, R/o- 72 Sukh Niwas Rau Rangwasa, District- Indore, State- Madhya Pradesh.	
खसरा नं./ क्षेत्रफल (सरकारी/निजी)	204, 205, 206, 218/2 (निजी–नॉन फॉरेस्ट लेंड भू–स्वामियों की सहमति पत्र अपलोड नहीं है)	3.73 hectare.
स्थल	Village- Morukhedi, Tehsil- Ujjain, Dist. Ujjain (M.P.)	
लीज स्वीकृति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला उज्जैन के पत्र क्रमांक ..... दिनांक 20/10/23 के द्वारा स्वीकृत ।	
ब्लास्टिंग/रॉक ब्रेकर	अनुमोदित खनन् योजना अनुसार ब्लास्टिंग प्रस्तावित है जबकि परियोजना प्रस्तावक ने फार्म–1 के बिंदु क्रमांक 19.1 में नहीं उल्लेखित है।	
प्रकरण की स्थिति	डिया से सिया ।	
डिया ई.सी. का विवरण (यदि लागू हो)	डिया उज्जैन के पत्र क्रमांक 1160 दिनांक 31/05/16 के द्वारा पत्थर–31,350 घनमीटर/वर्ष हेतु पर्यावरणीय अनापत्ति प्राप्त है ।	
उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा पत्थर–31,350 घनमीटर/वर्ष हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन् योजना अनुसार पत्थर–31,350 घनमीटर/वर्ष है।	
TOR	SEAC meeting 712 dated 10/01/2024	
500 मीटर की परिधि में अन्य खदानें	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला उज्जैन के एकल प्रमाण–पत्र दिनांक 20/10/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में 03 अन्य खदानें संचालित/स्वीकृत है, इस प्रकार कुल रकबा 09.99 हे. होता है, अतः प्रकरण बी–1 श्रेणी का है।	
वन मण्डलाधिकारी की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला उज्जैन के एकल प्रमाण–पत्र दिनांक दिनांक 20/10/23 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में नेशनल पार्क/अभ्यारण्य/ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता क्षेत्र एवं 250	

	मीटर में वन क्षेत्र स्थित नहीं है ।
तहसीलदार की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला उज्जैन के एकल प्रमाण–पत्र दिनांक 20/10/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में मानव बसाहट, शैक्षणिक संस्थान, चिकित्सालय, पुरातत्व धरोहर, राष्ट्रीय महत्व के स्मारक, रेल्वे लाईन/सार्वजनिक भवन/शमशान घाट/राष्ट्रीय राजमार्ग/ संवेदनशील क्षेत्रों जैसे : रेडियो स्टेशन, दूरदर्शन, हवाई अड्डा, प्रतिरक्षा संस्थान एवं जलीय निकाय/नदी/ तालाब/ बांध/स्टॉप डैम/नहर/ग्रामीण कच्चा/पक्का रास्ता/नाला नहीं है ।
ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत की अनापत्ति	नगर पालिक निगम, उज्जैन के पत्र क्रमांक 124 दिनांक 24/01/20 अनुसार प्रस्तावित स्थल पर खनन् कार्य से निकाय को कोई आपत्ति नहीं है ।
प्रस्तावि खदान की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में स्थिति	परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिले की अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के` सरल क्रमांक–20 पर दर्ज है।

प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक के पर्यावरणीय सलाहकार द्वारा निम्न जानकारी प्रस्तुत की :–

- प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में कुल 4 (प्रस्तावित खदान सहित) खदानें संचालित है, जिनका विवरण ईआईए प्रतिवेदन में समावेश किया गया है। खदान के 500 मीटर की परिधि में स्थित संचालित खदानों में जारी पर्यावरण स्वीकृ ति की शर्तों का संबंधित परियोजना प्रस्तावकों द्वारा परिपालन किया जा रहा है।
- परियोजना प्रस्तावक द्वारा DEIAA द्वारा जारी पर्यावरण स्वीकृति की शर्तों का पूर्णता अनुपालन किया जा रहा है।
- प्रस्तावित खदान मे भूजल दोहन नहीं किया जाएगा। खनन गतिविधीयों के लिए जल की आवश्यकता को वर्तमान पिट एवं सिल्टेशन पौन्ड से लिया जाएगा जिसमें वर्षोऋतु के दौरान वर्षाजल सग्रहित किया जाएगा। प्रस्तावित खदान मे भूजल दोहन नहीं किया जाएगा।
- प्रस्तावित खदान मे भूजल का प्रतिछेदन प्रस्तावित नही है क्योकि खदान की लीज अवधि तक ग्राउन्ड लेवल से 30 मीटर तक ही खुदाई की जावेगी जबकि इस क्षेत्र का वाटर लेवल 45 से 50 मीटर है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिए गए प्रस्तुतीकरण, पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति विशिष्ट शर्तो एवं स्टेण्डर्ड शर्तो संलग्नक–ए अनुसार निम्नानुसार पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:–

- अनुमोदित खनन् योजना अनुसार उत्पादन क्षमता पत्थर–31,350 घनमीटर/वर्ष
- पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रू. 20.94 लाख एवं रिकरिंग राशि रू. 3.83 लाख प्रति वर्ष।
- वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार कम से कम 4476 वृक्षों का वृक्षारोपणकिये जाये
- सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रू. 1.80 लाख :–
-

क्रमांक	प्रस्तावित गतिविधि	राशि (रु.)
1	ग्राम मोरुखेड़ी आक्यानजीक के शासकीय प्राथमिक विद्यालय में 5 किलोवॉट वाट के सोलर पेनल की स्थापना की जाएगी।	**1,80,000**
कुल		**1,80,000**

9. <u>Case No. 10696/2023 Shri Gaurav Bhanot, Owner, 1101, Bhanot House, Gorakhpur, District-Jabalpur (MP)-480021, Prior Environment Clearance for Badaiyakheda Stone &Murrum Quarry in an area of 2.00 ha. (41697 cum per year) (Khasra No. 28P), Village-Barhaiyakhera, Tehsil Jabalpur, District-Jabalpur (MP) [528726] DEIAA (EIA).</u>

प्रस्तावित खदान का आज दिनांक 09/04/2025 को परियोजना प्रस्तावक श्री अतंतु आचार्य एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री वरूण भारद्धाज, मेसर्स जेनिथ इंवायरोमेंट कंसल्टेंसी, नोएड, उ.प्र. उपस्थित हुए उपस्थित हुए और उनके द्वारा समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया गया ।

परियोजना विवरण	**परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज**	
परियोजना प्रस्तावक, परियोजना / कम्पनी का नाम व पता	Shri GAURAV BHANOT, Owner, 1101, Bhanot house, Gorakhpur, Jabalpur (M.P.)	
खसरा नं./ क्षेत्रफल (सरकारी/निजी)	28 part (सरकारी –नॉन फॉरेस्ट लेंड)	02.00 hectare.
स्थल	Village; badaiyakheda, Tehsil & District: Jabalpur (M.P)	
लीज स्वीकृति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला जबलपुर के पत्र क्रमांक 4172 दिनांक 10/03/23 के द्वारा स्वीकृत ।	
श्रेणी (बी–1/बी–2)	बी–1	
ब्लास्टिंग/रॉक ब्रेकर	अनुमोदित खनन् योजना अनुसार ब्लास्टिंग प्रस्तावित है ।	
डिया ई.सी. का विवरण (यदि लागू हो)	डिया जबलपुर के पत्र क्रमांक 161 दिनांक 19/01/18 के द्वारा पत्थर–55,000 घनमीटर/वर्ष हेतु पर्यावरणीय अनापत्ति प्राप्त है ।	
उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा पत्थर एवं मुरूम–41,697 घनमीटर/वर्ष हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन् योजना अनुसार पत्थर एवं मुरूम–41,697 घनमीटर/वर्ष है।	
TOR	SEAC meeting 699 dated 08/12/2023	
500 मीटर की परिधि में अन्य खदानें	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला जबलपुर के एकल प्रमाण–पत्र क्रमांक 306 दिनांक 02/08/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में 07 कोई खदानें संचालित/स्वीकृत है, इस प्रकार कुल रकबा 14.63 हे. होता है, अतः प्रकरण बी–1 श्रेणी का है।	
वन मण्डलाधिकारी की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला जबलपुर के एकल प्रमाण–पत्र क्रमांक 306 दिनांक 02/08/23 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में नेशनल पार्क/अभ्यारण्य/ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता क्षेत्र एवं 250 मीटर में वन क्षेत्र स्थित नहीं है ।	
तहसीलदार की	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला जबलपुर के एकल प्रमाण–पत्र	

अनापत्ति	क्रमांक 306 दिनांक 02/08/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में मानव बसाहट, शैक्षणिक संस्थान, चिकित्सालय, पुरातत्व धरोहर, राष्ट्रीय महत्व के स्मारक, रेल्वे लाईन/सार्वजनिक भवन/शमशान घाट/राष्ट्रीय राजमार्ग/ संवेदनशील क्षेत्रों जैसे : रेडियो स्टेशन, दूरदर्शन, हवाई अड्डा, प्रतिरक्षा संस्थान एवं जलीय निकाय/नदी/तालाब/ बांध/स्टॉप डैम/नहर/ग्रामीण कच्चा/पक्का रास्ता/नाला नहीं है ।
ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत की अनापत्ति	ग्राम पंचायत बढैयाखेड़ा जिला जबलपुर के ठहराव प्रस्ताव क्रमांक–6 दिनांक 01/06/16 अनुसार प्रस्तावित स्थल पर खनन् कार्य से पंचायत को कोई आपत्ति नहीं है ।
वृक्षों की वर्तमान स्थिति	Tree Existed- Few Trees
गूगल इमेज अनुसार वर्तमान स्थिति	दक्षिण दिशा– नदी/स्टाप डेम लगभग 127 मी. एवं नहर लगभग 159 मी.
जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट की स्थिति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला जबलपुर के पत्र क्रमांक 1018 दिनांक 13/10/23 अनुसार उक्त उत्खनिपट्टा से संबंधित जानकारी को नवीन डिस्ट्रिक सर्वे रिपोर्ट में सम्मिलित कर लिया जावेगा । समिति ने चर्चा उपरांत निर्णय लिया कि राज्य स्तरीय स्तरीय पर्यावरण समाघॉत निर्धारण प्राधिकारण मध्यप्रदेश की 739वीं बैठक दिनांक 29/07/22 (प्रकरण में 9261/2022 – जारी पत्र क्रमांक 1306 दिनांक 04/08/22) में लिए गए निर्णय के परिप्रेक्ष्य में इस प्रकरण को भी पर्यावरणीय संवेदनशीलता के दृष्टिगत परीक्षण कर पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु सिया को अनुशंसित किया जाये ।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिए गए प्रस्तुतीकरण, पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति विशिष्ट शर्तो एवं स्टेण्डर्ड शर्तो संलग्नक–ए अनुसार निम्नानुसार पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:–

- अनुमोदित खनन् योजना अनुसार उत्पादन क्षमता पत्थर एवं मुरूम–41,697 घनमीटर/वर्ष
- पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रू. 06.92 लाख एवं रिक्ररिंग राशि रू. 03.90 लाख प्रति वर्ष।
- वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार कम से कम 2000 वृक्षों का वृक्षारोपण किया जाये ।
- सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि 01.50 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये :–

S. No.	Description	Cost to be incurred (in Rs/Year)
1.	ग्राम वासियों के लिए सरकारी जमीन पर	1,00,000

	बोरवेल की व्यवस्था की जाएगी	
2.	ग्राम वासियों के लिए पुलिया की मरम्मत परियोजना प्रस्तावक के द्वारा किया जाएगा	50,000
	Total	**1,50,000/-**

10. <u>Case No.- 10856/2023 Shri Dhiraj Kannoje, Lessee, R/O Add. – Scheme No. 54, G.H. 107, Vijay Nagar, Indore, District- Indore (M.P.), Prior Environment Clearance for Rangwasa Stone Quarry in an area of 4.50 ha. Stone(Gitti) -39,474 m3/year) (Khasra No. 62/1/2/2), Village- Rangwasa-, Tehsil- Depalpur, District- Indore (M.P.) [DEIAA] (EIA).</u>

प्रस्तावित खदान बी–1 श्रेणी के अंतर्गत डिया द्वारा जारी पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति के पुनर्मूल्यांकन का है, जिसमें आज दिनांक 09.04.2025 को परियोजना प्रस्तावक श्री धीरज कन्नौजे एवं उनके पर्यावरणीय सलाहाकार श्री राम राघव, मेसर्स ग्रीन सर्कल आईएनसी, बडौदा, गुजरात उपस्थित हुए और उनके द्वारा समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया गया ।

परियोजना विवरण	**परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज**	
परियोजना प्रस्तावक का नाम व पता	श्री धीरज कन्नौजे पिता श्री प्रकाश कन्नौजे निवासी स्कीम नं 54 जी एच 107 विजयनगर इंदौर जिला इंदौर (म.प्र.)	
खसरा नं./ क्षेत्रफल (सरकारी/निजी)	No. <u>62/1/2/2</u> (शासकीय भूमि–नॉन फॉरेस्ट लेंड)	4.50 हे.
स्थल	Village- Rangwasa, Tehsil- Depalpur, District- Indore (M.P.)	
लीज स्वीकृति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला इंदौर के पत्र क्रमांक.990 दिनांक 18/09/2018 के द्वारा अवधि दिनांक 26.09.2018 से 25.09.2028 तक के लिए स्वीकृत है ।	
ब्लास्टिंग/रॉक ब्रेकर	अनुमोदित खनन् योजना अनुसार ब्लास्टिंग प्रस्तावित है ।	
प्रकरण की स्थिति	बी–1 डिया प्रकरण	
डिया ई.सी. का विवरण (यदि लागू हो)	डिया इंदौर के पत्र क्रमांक 155 दिनांक 28.09.2018 के द्वारा पत्थर (गिट्टी) –39,474 घनमीटर /वर्ष हेतु पर्यावरणीय अनापत्ति प्राप्त है।	
टॉर	सेक की 714 वीं बैठक दिनांक 18.01.2024 को अनुशंसित, सिया के पत्र क्रमांक 3181/SEIAA/2024 दिनांक 1.03.2024 के द्वारा उत्पादन क्षमता 39,474 घनमीटर/वर्ष पत्थर(गिट्टी) के लिए टॉर जारी किया गया है, जिसके अनुसार परियोजना प्रस्तावक द्वारा ईआईए रिपोर्ट समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई ।	
उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा पत्थर(गिट्टी) –39,474घनमीटर/वर्ष पत्थर(गिट्टी) हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन् योजना अनुसार 39,474 घनमीटर/वर्ष पत्थर (गिट्टी) है।	
500 मीटर की परिधि में अन्य खदानें	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला इंदौर के एकल प्रमाण–पत्र क्रमांक 2297 दिनांक 16/10/2023 अनुसार 500 मीटर की परिधि में 2 अन्य खदानें संचालित/स्वीकृत है, खदान का रकबा 6.50 है। इस प्रकार इस खदान को मिलाकर कुल रकबा 11.0 हे. होता है, अतः प्रकरण बी–1	

	श्रेणी का है।
वन मण्डलाधिकारी की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला इंदौर के एकल प्रमाण–पत्र क्रमांक 2297 दिनांक 16/10/2023 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में नेशनल पार्क/अभ्यारण्य/ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता क्षेत्र स्थित नहीं है एवं वन सीमा 250 मीटर से अधिक दूरी पर स्थित है ।
तहसीलदार की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला इंदौर के एकल प्रमाण–पत्र क्रमांक 2297 दिनांक 16/10/2023 अनुसार 500 मीटर की परिधि में मानव बसाहट, शैक्षणिक संस्थान, चिकित्सालय, पुरातत्व धरोहर, राष्ट्रीय महत्व के स्मारक, रेल्वे लाईन/सार्वजनिक भवन/शमशान घाट/राष्ट्रीय राजमार्ग/ संवेदनशील क्षेत्रों जैसे : रेडियो स्टेशन, दूरदर्शन, हवाई अड्डा, प्रतिरक्षा संस्थान एवं जलीय निकाय/नदी/ तालाब/ बांध/स्टॉप डैम/नहर/ग्रामीण कच्चा/पक्का रास्ता /नाला नहीं है ।
ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत की अनापत्ति	कार्यालय ग्राम पंचायत रंगवासा जिला इंदौर के क्रमांक 52 दिनांक 28.06. 2018 अनुसार प्रस्तावित स्थल पर खनन् कार्य से पंचायत को कोई आपत्ति नहीं है ।
क्रेशर की स्थिति	क्रेशर लीज क्षेत्र लीज के अंदर प्रस्तावित है।
प्रस्तावित स्थल पर वृक्षों की वर्तमान स्थिति	• खनन योग्य क्षेत्र में स्थित पेड़ो का विवरण – 00
प्रस्तावित स्थल की गूगल इमेज अनुसार वर्तमान स्थिति	दक्षिण दिशा में 500 मीटर से अधिक दूरी पर पक्का रोड स्थित है ।
जन सुनवाई	प्रस्तावित खदान की जन सुनवाई दिनांक 09/01/2025 को संपन्न हुई जिसमे। स्थानीय लोगों को रोजगार दिया जाये। पानी का अच्छा छिडकाव किया जाये व् पेड़ लगाया जाये. पेड़ पौधे लगाये जाये उपरोक्त आपत्तियॉ/सुझाव प्राप्त हुए, जिसे पर्यावरणीय प्रबंधन योजना/सी.एस. आर में बजट के साथ शामिल किया गया है ।
प्रस्तावित खदान की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में स्थिति	परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिले की अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं.–40 के सरल क्रमांक–20 पर दर्ज है ।

प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक के सलाहकार द्वारा **DEIAA** शर्तों का पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। जिसके अनुसार पौधारोपण, फेंसिंग एवं **CER** कार्यों का प्रस्तुतीकरण किया गया।

After deliberations and the submissions and presentation made by the PP were found to be satisfactory and acceptable hence, **the case is recommended for grant of Environment Clearance for Rangwasa Stone Quarry in an area of 4.50 ha. (39,474 Cu.mt/year Stone (Gitti) (Khasra No. 62/1/2/2), Village- Rangwasa, Tehsil- Depalpur, District- Indore (M.P.) With Standard and following specific conditions with Annexure "A":**

- As per the approved mining plan, the production capacity will **39,474 Cu.mt/year Stone (Gitti)].**
- Under the Environmental Management Plan, a capital expenditure of Rs. 10.05 lakh and a recurring expenditure of Rs. 3.09 lakh per year.
- Under the plantation program, **5400** trees will be planted.
- An amount of Rs. 1.45 lakh has been allocated for CER activities as under -

Particular	**Budget**
A solar panel 3.0 kW capacity will be installed at the Govt. Middle School located in Village Daultabad.	Rs. **1,20,000/-**
Painting at village Government Middle school walls with colorful educational & science-related themes.	Rs. **25,000/-**
Total	Rs. **1,45,000/-**

11. <u>Case No. 9193/2022 Shri Jitendra Yadav S/o Shri Ramnaresh Yadav, A-2, Mandakini Block, Kevihgar Line 1, Batalian, Dist. Indore, MP - 453111, Prior Environment Clearance for Murrum Quarry in an area of 1.20 ha. (10000 Cum per annum) (Khasra No. 178/228/1), Village - Alwasa, Tehsil - Hatod, Dist. Indore (MP) [269799] (Query Reply)</u>

प्रकरण आज सेक की 784वीं बैठक दिनांक 09/04/24 को प्रस्तुतीकरण हेतु सूचीबद्ध था, जिसमें परियोजना प्रस्तावक / उनके पर्यावरणीय सलाहकार समिति के समक्ष उपस्थित नहीं हुए । समिति ने चर्चा उपरांत निर्णय लिया कि परियोजना प्रस्तावक से प्रस्तुतीकरण हेतु अनुरोध प्राप्त होने के पश्चात प्रकरण की समीक्षा हेतु विचार किया जा सकेगा ।

12. Case No. 8479/2021 Shri Vishnu Patidar S/o Shri Dev Singh Patidar, Village - Kannod Mirji, Dist. Sehore, MP, Prior Environment Clearance for Stone Quarry in an area of 3.70 ha. (19012 cum per annum) (Khasra No. 364/2), Village - Kanood Mirji, Tehsil - Ashta, Dist. Sehore (MP) [61336] (Query Reply)

This case was early discus SEAC 696 Meeting Dated 22/11/2023

प्रस्तुतीकरण उपरांत समिति ने परियोजना प्रस्तावक को निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिये :–

- एक पक्का रोड खदान के पश्चिमी से लगी हुई है। अतः इस संबंध में निर्धारित 200 मीटर स्थानवार मापदंड दर्शाते हुए सरफेस मेप प्रस्तुत करे।
- परियोजना प्रस्तावक सक्षम अधिकारी से अनुमोदित नॉनब्लासटिंग का रॉक ब्रेकर पर आधारित संशोधित माइनिंग प्लान प्रस्तुत किया जावें।

प्रस्तावित खदान का ईआईए प्रस्तुतीकरण है, जिसमें आज दिनांक 09/04/25 को परियोजना प्रस्तावक श्री विष्णु पाटीदार के पर्यावरणीय सलाहकार श्री वरूण भारद्धाज, मेसर्स जेनिथ इंवायरोमेंट कंसल्टेंसी, नोएड, उ.प्र. उपस्थित हुए उपस्थित हुए और उनके द्वारा समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया गया ।

- परियोजना प्रस्तावक सक्षम अधिकारी से अनुमोदित दिनांक 27/01/25 नॉनब्लासटिंग का रॉक ब्रेकर पर आधारित संशोधित माइनिंग प्लान प्रस्तुत किया।
- एक पक्का रोड खदान के पश्चिमी से लगी हुई है। अतः इस संबंध में निर्धारित 100 मीटर स्थानवार मापदंड दर्शाते हुए सरफेस मेप प्रस्तुत किया जिसके अनुसार लीज के कुल क्षेत्र 3. 70 हे. में से 1.46 हे. क्षेत्र खनन योग्य एवं 2.24 हे. गैर खनन क्षेत्र उपलब्ध होता है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिए गए प्रस्तुतीकरण, पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति विशिष्ट शर्तो एवं स्टेण्डर्ड शर्तो संलग्नक–ए अनुसार निम्नानुसार पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती हैः–

- अनुमोदित खनन् योजना अनुसार उत्पादन क्षमता पत्थर –19,012 घनमीटर/वर्ष
- पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रू. 4.63 लाख एवं रिकरिंग राशि रू. 2.63 लाख प्रति वर्ष।
- वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार कम से कम 3700 वृक्षों का वृक्षारोपणकिये जाये।
- सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि 01.00 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये :–

S. No.	Description	Cost to be incurred (in Rs/Year)
	कन्नोद मिर्जी शासकीय प्राथमिक शाला में 02 किलोवॉट सोलर पेनल की व्यवस्था।	1,00,000
	Total	**1,00,000/-**

13. <u>Case No. 9791/2023 Smt. Sadhna Sharma W/o Shri Sanjay Sharma, Owner, M/s Om Shri Stone Crusher, R/o Hall-117, Garden Home Face-3, Alkapuri, District-Gwalior (MP) 474011, Prior Environment Clearance for Gangapur Stone Quarry in an area of 1.220 ha. (90000 Cum per annum) (Khasra No. 11/1/1 & 11/2/1) Village-Gangapur, Tehsil-Dabra, District-Gwalior (MP) [417867] (Query Reply)</u>

प्रकरण आज सेक की 784वीं बैठक दिनांक 09/04/24 को प्रस्तुतीकरण हेतु सूचीबद्ध था, जिसमें परियोजना प्रस्तावक / उनके पर्यावरणीय सलाहकार समिति के समक्ष उपस्थित नहीं हुए । समिति ने चर्चा उपरांत निर्णय लिया कि परियोजना प्रस्तावक से प्रस्तुतीकरण हेतु अनुरोध प्राप्त होने के पश्चात प्रकरण की समीक्षा हेतु विचार किया जा सकेगा ।

14. <u>Case No. 11109/2023SHRI NAND KISHORE PORWAL, R/o GRAM-ANTRI BUZURG TEHSIL-MANASA, DISTRICT-NEEMUCH (MP)-458115 Prior Environment Clearance for Stone Mine in an area of 0.85 ha. (5000 cum per year) (Khasra No. 426), Village Choplana, Tehsil-Manasa, District-Neemuch (MP) [443858] [DEIAA] (Query Reply)</u>

पूर्व में सेक की 741वीं बैठक दिनांक 25/04/2024 को यह प्रकरण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया था जिसमें चर्चा उपरांत परियोजना **प्रस्तावक के प्रस्ताव को मान्य करते हुये सक्षम प्राधिकारी से अनुमोदित रॉक ब्रेकर का संशोधित माईनिंग प्लान कार्यवाही विवरण जारी होने की दिनांक से 01 माह के अन्दर परिवेश पोर्टल अपलोड करने हेतु एडीएस जारी करें ।**

प्रस्तावित खदान बी–2 श्रेणी के अंतर्गत पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति के पुनर्मूल्यांकन का है, जिसमें आज दिनांक 09/04/25 को परियोजना प्रस्तावक के पर्यावरणीय सलाहकार श्री वरूण भारद्वाज, मेसर्स जेनिथ इंवायरोमेंट कंसल्टेंसी, नोएड, उ.प्र. उपस्थित हुए और उनके द्वारा समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया गया ।

प्रस्तावित खदान का ईआईए प्रस्तुतीकरण है, जिसमें आज दिनांक 09/04/25 को परियोजना प्रस्तावक के पर्यावरणीय सलाहकार श्री वरूण भारद्वाज, मेसर्स जेनिथ इंवायरोमेंट कंसल्टेंसी, नोएड, उ.प्र. उपस्थित हुए उपस्थित हुए और उनके द्वारा समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया गया ।

- परियोजना प्रस्तावक सक्षम अधिकारी से अनुमोदित दिनांक 10/06/24 नॉनब्लासटिंग का रॉक ब्रेकर पर आधारित संशोधित माइनिंग प्लान प्रस्तुत किया।
- एक पक्का रोड खदान से 25 मी. की दूरी पर है। अतः इस संबंध में निर्धारित 100 मीटर स्थानवार मापदंड दर्शाते हुए सरफेस मेप प्रस्तुत किया जिसके अनुसार लीज के कुल क्षेत्र 0. 85 हे. में से 0.58 हे. क्षेत्र खनन योग्य एवं 0.27 हे. गैर खनन क्षेत्र उपलब्ध होता है।
- प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक के सलाहकार ने बताया कि लीज क्षेत्र के दक्षिण दिशा में रेस्ट शेल्टर एवं परियोजना प्रस्तावक द्वारा कुछ पेड़ लगाये गये हैं।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिए गए प्रस्तुतीकरण, पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति विशिष्ट शर्तो एवं स्टेण्डर्ड शर्तो संलग्नक–ए अनुसार निम्नानुसार पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती हैः–

- अनुमोदित खनन् योजना अनुसार उत्पादन क्षमता पत्थर –5,000 घनमीटर/वर्ष
- पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रू. 9.82 लाख एवं रिकरिंग राशि रू. 1.61 लाख प्रति वर्ष।
- वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार कम से कम 850 वृक्षों का वृक्षारोपण किये जाये

- सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि 0.30 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये :–

S. No.	Description	Cost to be incurred (in Rs/Year)
1.	शासकीय प्राथमिक शाला चपलाना में 10 कुर्सिया की व्यवस्था	15,000
2.	चपलाना के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर प्रभारी अधिकारी के सलाह के अनुसार सामग्री का वितरण	15,000
	Total	30,000

15. <u>Case No. 10964/2023 Shri Vijay Bais S/o Ram Lallu Vaishya, Owner, Ward No. 13, House No. 1 to 233, Village-Chingo, Post-Pateri, Near Government School, Chitrangi, District Singrauli (MP)-486892, Prior Environment Clearance for Pali Stone Deposit in an area of 2.00 ha. (21945 cum per year) (Khasra No. 323), Village-Pali, Tehsil-Chitrangi, District-Singrauli (MP) [449803] [DEIAA] (Query Reply)</u>

प्रकरण सेक की 760 वीं बैठक दिनांक 29/05/2024 एवं 784वीं बैठक दिनांक 09/04/25 को प्रस्तुतीकरण हेतु सूचीबद्ध था किन्तु परियोजना प्रस्तावक/उनके पर्यावरणीय सलाहकार प्रस्तुतीकरण हेतु समिति के समक्ष उपस्थित नहीं हुए अतः समिति ने निर्णय लिया कि परियोजना प्रस्तावक प्रस्तुतीकरण हेतु 02 अवसर देने के बाद भी प्रस्तुतीकरण हेतु अनुपस्थित नहीं रहने के कारण इस प्रकरण को डिलिस्ट करने की अनुशंसा के साथ प्रकरण सिया को अग्रिम कार्यवाही हेतु भेजा जावे ।

16. <u>Case No. 11151/2023Shri Yogesh Singh S/o Arun Singh, Owner, R/o Gram-Makrohar, Post-Makrohar, District-Singrauli, (MP) 486886, Prior Environment Clearance for Makrohar Stone Quarry in an area of 1.00 ha. (15129 cum per year) (Khasra No. 176, 178), Village-Munghawa, Tehsil-Singrauli, District Singrauli (MP) [450013] [DEIAA] (Query Reply)</u>

प्रकरण आज सेक की 784वीं बैठक दिनांक 09/04/24 को प्रस्तुतीकरण हेतु सूचीबद्ध था, जिसमें परियोजना प्रस्तावक/उनके पर्यावरणीय सलाहकार समिति के समक्ष उपस्थित नहीं हुए । समिति ने चर्चा उपरांत निर्णय लिया कि परियोजना प्रस्तावक से प्रस्तुतीकरण हेतु अनुरोध प्राप्त होने के पश्चात प्रकरण की समीक्षा हेतु विचार किया जा सकेगा ।

17. <u>Case No. 11186/2024Shri Ramnivas Patidar, Owner, R/o Village-Janakpur, Tehsil-Jawad, District-Neemuch (MP)-458220, Prior Environment Clearance for Jhirmir Stone Quarry in an area of 4.00 ha. (20000 cum per year) (Khasra No. 207/1), Village-Jhirmi, Tehsil-Jawad, District Neemuch (MP) [451091] [DEIAA] (Query Reply)</u>

पूर्व में सेक की 744वीं बैठक दिनांक 29/04/2024 को यह प्रकरण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया था प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक द्वारा उपरोक्त स्थिति में बैठक के दौरान अनुरोध किया गया कि उक्त खनन कार्य रॉक ब्रेकर पद्धति से किया जाना प्रस्तावित है एवं किसी भी प्रकार का विस्फोटक इस्तमाल न करते हुये रॉक ब्रेकर का का इस्तमाल किया जावेगा।

समिति द्वारा यह निर्णय लिया गया कि रॉक ब्रेकर से बिना किसी विस्फोटक के उपयोग से यदि तकनीकी रूप से तथा व्यवहारिक रूप से खनन किया जाना संभव हो तो इस पर खनिज अधिकारी परीक्षण कर माईनिंग प्लान में आवश्यक संशोधन करेंगें एवं इस बात का विशेष रूप से खनिज अधिकारी ध्यान रखेगें कि क्या बिना ब्लास्टिंग के खनन कार्य किया जाना संभव है अथवा नहीं, तथा पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त होने की स्थिति में बिना किसी ब्लास्टिंग के खनन कार्य किये जाने की सुनिश्चितता की जानकारी खनिज अधिकारी की होगी। परियोजना प्रस्तावक द्वारा स्वीकृत खनिज क्षेत्र के बाहर लगाये जाने वाले बोर्ड पर अन्य जानकारी के साथ बड़े–बड़े अक्षरों में स्पष्ट रूप से लिखा हो, उक्त आशय का उल्लेख सुनिश्चित किया जावेगा।

समिति ने चर्चा उपरांत परियोजना **प्रस्तावक के प्रस्ताव को मान्य करते हुये सक्षम प्राधिकारी से अनुमोदित रॉक ब्रेकर का संशोधित माईनिंग प्लान कार्यवाही विवरण जारी होने की दिनांक से 01 माह के अन्दर परिवेश पोर्टल अपलोड करने हेतु एडीएस जारी करें ।**

प्रस्तावित खदान बी–2 श्रेणी के अंतर्गत डिया द्वारा जारीपूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति के पुनर्मूल्यांकन का है, जिसमें आज दिनांक 09/04/2025 को परियोजना प्रस्तावक के पर्यावरणीय सलाहकार वरूण भारद्वाज, मेसर्स जेनिथ एनवायरमेंट कंसल्टेंसी, नोएडा उत्तरप्रदेश उपस्थिल हुए और उनके द्वारा समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया गया ।

- परियोजना प्रस्तावक सक्षम अधिकारी से दिनांक 13/06/2024 को अनुमोदित कराकर नॉनब्लासटिंग का रॉक ब्रेकर पर आधारित संशोधित माइनिंग प्लान प्रस्तुत किया।
- एक जल रोकने की संरचना उत्तर पश्चिमी दिशा में खदान से 189 मी. एवं पूर्व दिशा में 80 मी. की दूरी पर है। अतः इस संबंध में निर्धारित 100 मीटर स्थानवार मापदंड दर्शाते हुए सरफेस मेप प्रस्तुत किया जिसके अनुसार लीज के कुल क्षेत्र 04.00 हे. में से 3.73 हे. क्षेत्र खनन योग्य एवं 0.27 हे. गैर खनन क्षेत्र उपलब्ध होता है।
- पूर्व में इस प्रकरण में डिया से ईसी दिनांक 26/09/2018 को जारी की गई थी जिसके लिये बोर्ड से सीटीओ प्राप्त किया गया था ।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिए गए प्रस्तुतीकरण, पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति विशिष्ट शर्तो एवं स्टेण्डर्ड शर्तो संलग्नक–ए अनुसार निम्नानुसार पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :–

- अनुमोदित खनन् योजना अनुसार उत्पादन क्षमता पत्थर –5,000 घनमीटर/वर्ष
- पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रू. 9.82 लाख एवं रिक्करिंग राशि रू. 1.61 लाख प्रति वर्ष।
- वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार कम से कम 850 वृक्षों का वृक्षारोपण किये जाये
- सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि 0.30 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये :–

S. No.	Description	Cost to be incurred (in Rs/Year)
1.	शासकीय प्राथमिक शाला झीरमी में 10 कुर्सिया की व्यवस्था	15,000
2.	झीरमी के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर प्रभारी अधिकारी के सलाह के अनुसार सामग्री का वितरण	15,000
	Total	30,000

18. <u>Case No. 11043/2023 Shri Anil Yadav, Proprietor, R/o 228, Bedavali, Meghanagar, District-Jhabua (MP)-457779, Prior Environment Clearance for Madalda Crusher Stone Mine in an area of 4.00 ha. (19000 cum per year) (Khasra No. 1191), Village-Madalda, Tehsil-Thandla, District Jhabua (MP) [451907] [DEIAA] (Query Reply)</u>

This case was early discus in SEAC meeting No. 754 dated 20/05/2024

प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति ने परीक्षण के दौरान पाया कि पक्का रोड उत्तर दिशा में 50 मीटर एवं पश्चिम दिशा में तालाब 150 मीटर की दूरी पर स्थित है। स्थानवार मापदण्ड अनुसार सेटबेक छोड़ने पर खनन योग्य क्षेत्र उपलब्ध नही होता ।

प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक द्वारा उपरोक्त स्थिति में बैठक के दौरान अनुरोध किया गया कि उक्त खनन कार्य रॉक ब्रेकर पद्धति से किया जाना प्रस्तावित है एवं किसी भी प्रकार का विस्फोटक इस्तमाल न करते हुये रॉक ब्रेकर का इस्तमाल किया जावेगा।

समिति द्वारा यह निर्णय लिया गया कि रॉक ब्रेकर से बिना किसी विस्फोटक के उपयोग से यदि तकनीकी रूप से तथा व्यवहारिक रूप से खनन किया जाना संभव हो तो इस पर खनिज अधिकारी परीक्षण कर माईनिंग प्लान में आवश्यक संशोधन करेंगें एवं इस बात का विशेष रूप से खनिज अधिकारी ध्यान रखेगें कि क्या बिना ब्लास्टिंग के खनन कार्य किया जाना संभव है अथवा नहीं, तथा पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त होने की स्थिति में बिना किसी ब्लास्टिंग के खनन कार्य किये जाने की सुनिश्चितता की जानकारी खनिज अधिकारी की होगी। परियोजना प्रस्तावक द्वारा स्वीकृत खनिज क्षेत्र के बाहर लगाये जाने वाले बोर्ड पर अन्य जानकारी के साथ बड़े–बड़े अक्षरों में स्पष्ट रूप से लिखा हो, उक्त आशय का उल्लेख सुनिश्चित किया जावेगा।

समिति ने चर्चा उपरांत परियोजना **प्रस्तावक के प्रस्ताव को मान्य करते हुये सक्षम प्राधिकारी से अनुमोदित रॉक ब्रेकर का संशोधित माईनिंग प्लान कार्यवाही विवरण जारी होने की दिनांक से 01 माह के अन्दर परिवेश पोर्टल अपलोड करने हेतु एडीएस जारी करें ।**

प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक द्वारा उपरोक्त स्थिति में बैठक के दौरान अनुरोध किया गया कि उक्त खनन कार्य रॉक ब्रेकर पद्धति से किया जाना प्रस्तावित है एवं किसी भी प्रकार का विस्फोटक इस्तमाल न करते हुये रॉक ब्रेकर का इस्तमाल किया जावेगा।

समिति द्वारा यह निर्णय लिया गया कि रॉक ब्रेकर से बिना किसी विस्फोटक के उपयोग से यदि तकनीकी रूप से तथा व्यवहारिक रूप से खनन किया जाना संभव हो तो इस पर खनिज अधिकारी परीक्षण कर माईनिंग प्लान में आवश्यक संशोधन करेंगें एवं इस बात का विशेष रूप से खनिज अधिकारी ध्यान रखेगें कि क्या बिना ब्लास्टिंग के खनन कार्य किया जाना संभव है अथवा नहीं, तथा पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त होने की स्थिति में बिना किसी ब्लास्टिंग के खनन कार्य किये जाने की सुनिश्चितता की जानकारी खनिज अधिकारी की होगी। परियोजना प्रस्तावक द्वारा स्वीकृत

खनिज क्षेत्र के बाहर लगाये जाने वाले बोर्ड पर अन्य जानकारी के साथ बड़े–बड़े अक्षरों में स्पष्ट रूप से लिखा हो, उक्त आशय का उल्लेख सुनिश्चित किया जावेगा।

समिति ने चर्चा उपरांत परियोजना प्रस्तावक के प्रस्ताव को मान्य करते हुये सक्षम प्राधिकारी से अनुमोदित रॉक ब्रेकर का संशोधित माईनिंग प्लान कार्यवाही विवरण जारी होने की दिनांक से 01 माह के अन्दर परिवेश पोर्टल अपलोड करने हेतु एडीएस जारी करें ।

प्रस्तावित खदान बी–2 श्रेणी के अंतर्गत डिया द्वारा जारी पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति के पुनर्मूल्यांकन का है, जिसमें आज दिनांक **09/04/2025** को परियोजना प्रस्तावक के पर्यावरणीय सलाहकार श्री अमर सिंह यादव मेसर्स एसीरीज इंनवायरोटेक इंडिया प्रा.लि. लखनउ उपस्थित हुए और उनके द्वारा समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया गया । प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक के सलाहकार द्वारा बताया गया कि :–

- परियोजना प्रस्तावक द्वारा क्षेत्रीय प्रमुख कार्यालय संचालनालय भौमिकी तथा खनिकर्म (म.प्र.) इन्दौर से दिनांक 14/08/2023 को अनुमोदित रॉकब्रेकर (नॉनब्लास्टिंग) का संशोधित माईनिंग प्लान प्रस्तुत किया।
- लीज क्षेत्र से उत्तर पूर्व दिशा में एक पक्की सड़क 50 मीटर की दूरी पर है अतः 50 मी. गैर खनन छोड़कर खनन कार्य किया जावेगा।
- पूर्व में इस प्रकरण में डिया से ईसी दिनांक 24/07/2018 को जारी की गई थी जिसके लिये बोर्ड से उन्हें सीटीओ प्राप्त हुआ था जिसकी वैधता दिनांक 30/06/2020 तक थी।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिए गए प्रस्तुतीकरण, पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति विशिष्ट शर्तो एवं स्टेण्डर्ड शर्तो संलग्नक–ए अनुसार निम्नानुसार पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती हैः–

- अनुमोदित खनन् योजना अनुसार उत्पादन क्षमता पत्थर –19,000 घनमीटर/वर्ष
- पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रू. 4.10 लाख एवं रिकरिंग राशि रू. 5.48 लाख प्रति वर्ष।
- वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार कम से कम 3600 वृक्षों का वृक्षारोपण किये जाये
- सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि 01.40 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये :–

Description	Cost to be incurred (in Rs/Year)
मडाल्डा ग्राम के शासकीय प्राथमिक/माध्यमिक शाला में 03 KW सोलर पेनल की व्यवस्था	**1.40 लाख**

19. <u>Case No 10710/2023 Shri Akhil Birthare, Executive Engineer, O/o Executive Engineer, Water Resources Division No. 1, Collectorate, District-Sagar, (MP)-470001, Prior Environment Clearance for Sarkula Apchand Medium Irrigation Project [under River Valley and Hydroelectric Projects] in an area of 597.55 ha. [4830 ha CCA] at Village-Abchand, Tehsil-Sagar, District-Sagar (MP) [442654]</u>

This is a case of Prior Environment Clearance Sarkula Apchand Medium Irrigation Project [under River Valley and Hydroelectric Projects] in an area of 597.55 ha. [4830 ha CCA] at Village-Abchand, Tehsil-Sagar, District-Sagar (MP) . The project requires prior EC before commencement of any activity at site under category 1(c).

Chronology of the Case:

- Earlier this case was presented in the SEAC 701st meeting dated 15.12.2023 wherein after presentation querries was issued.
- The project proponent submitted clarification replied online on PARIVESH Portal and same were presented in the SEAC 730th meeting dated 18.03.2024 . Wherein after presentation some more clarification asked by the committee.
- Hence, the case was scheduled for presentation in this meeting.

The case was presented by Env. Consultant Shri S. K . Jain & Shri Kaleem Ahmed from M/s. EQMS India Pvt. Ltd. Delhi. along with PP's Shri Akhil Bilthare O/o Executive Engineer, Water Resources Division No. 1, Collectorate, District-Sagar.

PP submitted following information about the project :-

PROJECT BRIEF

- Apchand Medium Irrigation project, proposed across Gadheri river a tributary of Sonar, shall be situated in Tehsil/Block Sagar, District Sagar. The project envisages construction of 520 m long composite dam with maximum height of

19.50m; 60m long central ogee shaped spillway fitted with radial gates;20m long non-overflow dam section on either side of spillway and 1395m long saddle dam, maximum height 13.54m. It is designed for gross and live storage of 20.93 MCM and 19.55 MCM respectively at FRL 461.50 masl for providing Rabi irrigation to command area of 4830 ha in 20 villages of draught prone Garhakota Tehsil, through a well-planned network of gravity mains and pipe irrigation network. Proposed irrigation under Rabi shall be 4830 ha which includes 3030 ha Wheat Hybrid (3MV) and 1800 ha Gram N2 respectively. The project is likely to be completed in timeframe of three years. The cost of project is Rs16266.51 lakhs only.

- Total land
- the project permanent acquisition 362.2 ha private land is involved. For acquisition of land requirement is 597.55 ha of which the forest, revenue and private land shall be 181.39, 55.75 and 360.41 ha respectively. Th First stage forest clearance has been accorded vide F.No. 8-20/2022-FC, dated 21st August 2023.The second stage clearance is awaited.
- For execution of as per RFCTLARRA 2013, the awards have been announced by the District Collector for land to be acquired under four villages. Approximately 70% of the amount of award has been disbursed to landowners. For resettlement and rehabilitation of displaced families, 2 ha land has been allotted by the District Magistrate for establishing rehabilitation colony.
- No protected under Wildlife (Protection) Act exists within 10 km distance from project. Four mammalian species (Golden Jackal, Indian Crested Porcupine, Sambar and Striped Hyaena) and three species of snake (Russell's Viper, Cobra and Rat snake); one species of avifauna (Indian Peafowl) belong to Schedule-I, are found in study. For Wildlife &Biodiversity Management and Conservation Plan shall be implemented in study area by resorting to measures like land stabilization measures, improving water regime, control of illicit poaching etc. The plan is approved by the Forest Department.
- The CAT Plan (Cost Rs142.27 lakh) has been prepared as per guidelines of the MoEF&CC, New Delhi, and approved by PCCF, M.P., vide letter F-3/101/2021/10-11/12/40, Bhopal, Dated 11.11.2022.
- As the project is categorised as B-2, as per para 7(III) Stage 3(i)(f)- Public consultation, EIA notification dated 14.9.2006, it is exempted from public hearing.

PROJECT DETAILS

Name of the Project	Apchnad Medium Irrigation Project
Type of the Project	Micro Irrigation.
Supply Source/Lifting Point	Gadheri nala a tributary of Sonar near village Apchand, Tehsil/Block Sagar, District Sagar
Latitude/Longitude	23° 47' 5.88" N, 78° 59'0.05" E
District	Sagar
Village to be benefited	20 nos.
Delivery Point	1.
Length of Main Canal (in m) (for Irrigation project);	7.5 km
Length of Distributaries (in m) (for Irrigation project) :	102 km
Cultural Command Area (ha) :	4830
Water Needed	1.78 cumec
Nearest Major Town	Sagar, 30 km
Nearest Railway station	Sagar,35km
Nearest airport	Raja Bhoj Airport, Bhopal,
Nearest IMD station	IMD station – Sagar
Seismic Zone	Zone-III (Moderate Damage Risk)
Any Religious/ Historical Place/ Archaeological monuments	No
Ecological sensitive area / Reserve Biosphere / Reserve Forest	Yes, patches of forest are observed in the study area

PP intimated that the case for prior environmental clearance was first heard by SEAC in its 701st meeting dated 15.12.2023. After the presentation the committee asked PP to submit clarification details in respect of fifteen points for further consideration of the project.

The replies to issues raised were further considered in the 730th meeting of SEAC dated 18.3.2024. The committee further sought additional data in respect of 18 points which were responded online on 16.2.2025.
In this 784th meeting, dated 9.4.2025, the Project Proponent along with EIA Consultant EQMS India Private limited, Delhi, made detailed point wise presentation of clarification sought and as under:

ADS Point-1: Economic value of Eco- system के अन्तर्गत जो आईटम शामिल किये गये है उनकी value Rs/Ha./Year में दर्शाई गयी है जिसकी गणना सही प्रतीत नहीं होती अतः इसका रिफरेसं प्रस्तुत करे साथ ही जिले के वन विभाग कि कार्य योजना से तुलना करते हुये Economic value of Eco- system की जानकारी प्रस्तुत करे।

Response: Based on methodology developed by Harpinder Sandhu et al (https://doi.org/10.1088/1748-9326/acadf4), value of goods and ecosystem services for same 8 key goods and ecosystem services as included in MoEF&CC, order dated, 28.03.2008, is Rs 1757.52 lakh (Rs 48446/ha/year) and is comparable with the value arrived on the basis of NPV for the forest land to be diverted i.e. Rs1737.32 lakhs (Rs 47889/ha/year). The aggregated value of various eco-system services considered in Updated Table 22.1 of Forest Working Plan works out to Rs 80912/ha/year which is much higher than value deduced from NPV rates fixed by MoEF&CC (Rs 47889/ha/year) and from value of Rs 48446/ha/year arrived by adopting study of Harpinder Sandhu et al.

ADS Point-2: Carbon trading value के अन्तर्गत जो भी आईटम शामिल किये गये है इसका रिफरेसं प्रस्तुत करे।

Response: The assessment of the GHGs emissions is based on "EIB Project Methodologies for the assessment of project greenhouse gas emissions and emission variations, Version 11.3, January 2023"

ADS Point-3: CAT Plan लगभग 61 वर्ग कि.मी. है जिसमें सीवियर इरोसन लगभग 40 है. दर्शाया है इस विषय में पर्यावरण एवं वन मंत्रालय की क्या गाईड लाईन है प्रस्तुत करे।

Response: The Catchment Area Treatment (CAT) Plan has been prepared for areas falling under very severe and severe erosion categories as per requirement of Standard Terms of Reference, April 2015, issued by the MoEF&CC, New Delhi, for guiding the Project Proponent to conducting Environment Impact Assessment study for different sectors. For river valley Projects under sector 1(c) it is available under para 9 (Page -52)

ADS Point-4: CAT Plan के अन्तर्गत यदि भूस्वामी की सहमति हो तो तलाव निर्माण का प्रस्ताव प्रस्तुत करे।

Response: In view of the landowners not wanting to provide land for farm ponds in their field, the proposal for constructing farm ponds is not plausible

ADS Point-5: Catchment improvement plan में यह स्पष्ट नहीं है कि किसके माध्यम से प्रस्तावित गातिविधियां करायी जावगी।

Response: It is already brought out in Para 10.5.14.1 of the EIA report that the Forest Department would implement the Catchment Area Treatment Plan.

ADS Point-6: राजस्व, वन भूमि स्वामी की भूमि हेतु CAT Plan वन विभाग से अनुमोदित कराकर अलग–अलग प्रस्तुत करे

Response: The work proposed under CAT Plan shall be implemented in forest and private land by the forest Department for which the unified plan has been prepared. The letter of approval of CAT Plan is attached as Annexure- 2.

ADS Point-7: प्रस्तावित पौधा रोपण जानकारी नक़्शे में दर्शाते हुये प्रस्तुत करे।

Response: The map showing locations of biological measures (Normal Plantation and Enrichment Plantation) and Engineering measures (dry random stone masonry check dam, wire crate check dams, Contour bunding) is furnished

ADS Point-8: Biodiversity and Wildlife Conservation plan मे कई गतिविधि ऐसी बतायी गयी है जो बायोडायवरसिटि से सबंधित नहीं है अतः स्थान विशेष का प्लान नक़्शे मे ं दर्शाते हुये प्रस्तुत करे।

Response: The Biodiversity and Wildlife Conservation & Management Plan for conservation and preservation of endemic, rare and endangered species of flora and fauna has been prepared and approved by the DFO.

The plan has many activities/ ingredients which are related to in situ biodiversity management like (i) people awareness in biodiversity conservation, (ii) management of grass land, (iii) generating timber, fodder and fuel wood in the vicinity of human habitations (iv) protecting wild animals from game and hunting, (v) water conservation by developing water bodies. (vi) capacity building of field staff through training on various issues affecting conservation of wild biodiversity, (vii) Reducing adverse impacts of fire on biodiversity.

ADS Point-9: बायोडायवरसिटि समिति के सुझाये अनुसार सागर विश्वविद्यालय की पहाडियों पर बायोडायवरसिटि कार्य करने का प्रस्ताव प्रस्तुत करे।

Response: It is brought out here that Apchand Medium Irrigation project (Cost: Rs162.66 Crore) is a medium Irrigation, B-2 category project, for which Biodiversity and Wildlife Conservation & Management Plan (Cost Rs 26lakh) for in situ conservation and preservation of endemic, rare and endangered species of flora and fauna has been prepared in terms of Standard ToR. In view of the cost constraint of the project, it shall not be plausible to fund the proposed.

ADS Point-10: Carbon footprint के अन्तर्गत पेड काटने के फलस्वरूप कितना कार्बन फूटप्रिन्ट निर्मित होगा की जानकारी प्रस्तुत करें।

Response: Due to the felling of 241 standing trees in forest land (total carbon stored 11.39 Ton) and 2369 in non-forest land (total carbon stored =133 Ton) shall cause release of the stored carbon in the form of carbon dioxide on burning or decay. Total CO2 sequestered from trees felled from forest land and private land shall be (41.80 Ton +489 Ton =530.8 Ton of CO2.

ADS Point-11: Dam से होने वाले सीपेज, मृदा एवं डैम की लाईफ को ध्यान मे रखते हुऐ R&R की जानकारी प्रस्तुत करें ।

Response: To bring down the Phreatic line within the body of the earthen dam, Chimney Drain (inclined filter) coupled with horizontal filter has been proposed in the dam. The seepage shall be collected and channelized through longitudinal toe-drain provided at El 453.60m and discharged into Gadheri Nala.

The resettlement colony has been proposed in revenue land in village Apchand. The proposed site (Av. Elevation:466.50m) is about 150 m away from the reservoir and is about 5.00 m higher than the FRL (461.5m) of reservoir (Annexure-1). Thus, seepage water through the dam which shall be discharged into Gadheri Nala at El 453.60m shall have no impact on the R&R colony

ADS Point-12: Wildlife Conservation plan को Biodiversity Plan के साथ दर्शाया है दोनो प्लानो को अलग– अलग प्रस्तुत करे।

Response: As per para 9 (Page -52) of Standard Terms of Reference, April 2015, issued by the MoEF&CC, New Delhi, for guiding the Project Proponent to conducting Environment Impact Assessment study, Combined Biodiversity and Wildlife Conservation & Management Plan was prepared in consultation with State Forest Department and same has been approved

ADS Point-13: CER Plan में संरक्षण हेतु समिति के सुझाये अनुसार 10.0 लाख रूपये का प्रस्ताव अन्य प्रस्तावों के साथ शामिल करे।

Response: As suggested by the SEAC during the meeting a provision of Rs ten lakh (Rs10lakh) has been earmarked as cost towards energy conservation measures like providing solar streetlight in villages and distribution of LED bulbs in villages in project area. The revised budget estimate for CER has been submitted.

ADS Point-14: भारत सरकार की कॉस्ट बैनिफिट पॉलिसी प्रस्तुत करे।

Response: The Guidelines for conducting Cost Benefit Analysis for projects involving diversion of forest land under the provisions of the Forest (Conservation) Act, 1980, has been issued by Government of India, Ministry of Environment, Forest & Climate Change, New Delhi vide Letter No. 7-69/2011-FC(Pt.), dated 01st August 2017, was enclosed as Annexure-2 together with replies to ADS.

ADS Point-15: भ्प्रस्तावित परियोजना से लगभग 54601 घन मी. टाप स्वाईल उत्पन्न हार्गी जिसमे से लगभग 5180 घन मी. डैम के स्लोप पर इस्तेमाल होगी । शेष लगभग 50000 घन मी. किसानो के लिये उपलब्ध होगी। यदि किसान टाप स्वाईल कि पूरी मात्रा नहीं ले जाना है तो क्या वैकल्पीक व्यवस्था होगी।

Response: Out of balance 50000 cum of fertile topsoil from farmers field, assuming thar if 50% (25000 cum) is used by them in laying over their fields at other places, the balance 25000 cum shall be utilized Under turfing on top surface of d/s slope of main and saddle dam and in green belt area.

ADS Point-16: Submit proper area statement regarding Forest land/ Private land/ Revenue land with CAT plan approval from competent authorities etc.

Response: The Land use/ Land-cover map of the catchment area (66.75sq.km) is presented in Figure 10.14 of CAT Plan and area statement depicted in Table 10.11.

ADS Point-17: Total project cost of the project is proposed as 3.2 Crore, hence, submit proper CER with appropriate budget of CER of 2%. of project cost.

Response: The total cost of project is Rs162.66 crores and not Rs3.2 crores. The mandatory provision related to CER fund allocation based on percentage of capital investment under OM dated May 01,2018 and OM dated 19.6.2018, are irrelevant now, as these have been superseded by Ministry OM dated 30.09.2020. Though no public hearing is required for B-2 category projects, the project developer had proposed implementing certain need-based works/initiatives relating to social welfare and community development, under CER Plan (Rs36 lakh).

ADS Point-18: Muck management plan with financial implication in the EMP

Response: The detailed Muck Disposal and Management Plan (Rs 14 lakh) has already been provided in section 10.9 of the EMP report and elucidated in Tabular form in the reply.

After deliberations and the submissions and presentations made by the PP along with EIA Consultant EQMS India Private limited, the replies were found to be satisfactory and acceptable hence the case was recommended for grant of Prior Environment Clearance for Apchand Medium Irrigation Project in an area of 4830 ha. (CCA) at 20 villages in Tehsil/Block Sagar, District Sagar (MP), The project falls under Category B-2 of River Valley Projects . 1 c (ii)-Irrigation Project as per EIA Notification, 2006 and amendment dated 14.8.2018.

The project proponent shall prepare a Site-Specific Conservation Plan & Wildlife Management Plan and approved by the Chief Wildlife Warden. The recommendations of the approved Site-Specific Conservation Plan / Wildlife Management Plan shall be implemented in consultation with the State Forest Department. The implementation report shall be furnished along with the six-monthly compliance report. (In case of the presence of schedule-I species in the study area)

The project proponent shall obtain Consent to Establish / Operate under the provisions of Air (Prevention & Control of Pollution) Act, 1981 and the Water (Prevention & Control of Pollution) Act, 1974 from the concerned State pollution Control Board/ Committee

If any public property (Burial Ground, Graveyard, Chabutra, Paramparik Narmada Parikrama Path) comes under the submergence, Restoration work/Alternate site will be provided by MPWRD in consultation with local community or Gram Panchayat.

Compensation for land and property acquiring for the project will be done "as per the provisions mentioned in the Right to Fair Compensation and Transparency in Land Acquisition, Rehabilitation and Resettlement Act 2013.

Air quality monitoring and preservation

Regular monitoring of various environmental parameters viz., Water Quality, Ambient Air Quality and Noise levels as per the CPCB guidelines at designated locations shall be carried out monthly and a detailed database of the same shall be prepared and recorded. This shall be used as baseline data for post construction EIA / Monitoring purposes.

Appropriate Air Pollution Control (APC) system shall be provided for all the dust generating points including fugitive dust from all vulnerable sources, to comply prescribed standards.

Necessary control measures such as water sprinkling arrangements, etc. be taken up to arrest fugitive dust at all the construction sites.

Water quality monitoring and preservation

Conjunctive use of surface water to be planned in the project to check water logging as well as to increase crops productivity. The field drains shall be inter-connected with natural drainage system.

Remodeling existing natural drains (link drains) and connecting them with irrigated land through constructed field drains, collector drains, etc. are to be ensured on the priority basis.

Mixed irrigation shall be practiced, and necessary awareness be given to all the farmers and trained in the use of such systems. Proper selection of crops should be carried out to make irrigation facilities more effective.

On Farm Development (OFD) works like landscaping, land leveling, drainage facilities, field irrigation channels and farm roads, etc. should be taken up in phased manner prior to the start of irrigation in the entire command area. The Command Area Development Plan should be strictly implemented as proposed in the EIA/EMP report.

Noise monitoring and prevention

All the equipment likely to generate high noise shall be appropriately enclosed or inbuilt noise enclosures be provided so as to meet the ambient noise standards as notified under the Noise Pollution (Regulation and Control) Rules, 2000, as amended in 2010 under the Environment Protection Act (EPA), 1986.

The ambient noise levels should conform to the standards prescribed under E(P)A Rules, 1986 viz. 75 dB(A) during daytime and 70 dB(A) during nighttime.

Waste management

Muck disposal be carried out only in the approved and earmarked sites. The dumping sites shall be located sufficiently away from the HFL of the river. Efforts be made to reuse the muck for construction and other filling purposes and balanced be disposed of at the designated disposal sites. Once the muck disposal sites are inactive, proper treatment measures like both engineering and biological measures be carried out so that sites are stabilized quickly.

Solid waste management should be planned in detail. Land filling of plastic waste shall be avoided and instead be used for various purposes as envisaged in the EIA/EMP reports. Efforts be made to avoid one time use of plastics.

Green Belt, EMP Cost, Fisheries and Wildlife Management

Under Green belt development Plan (Cost Rs 31.00lakh) the Plantation Scheme for the project is given below: -

S.N.	Location	Species	No of Plants
1	Area around reservoir periphery in 12ha	Phyllanthus emblica (Amla) Mangifera indica (Aam) Carissa congesta Wight (Karwand) Psidium guajava (Peru)	13200
2	Approach Road	Manilkara zapota (Chiku) Citrus limon (Limbu) Syzygium cumini (Jamun) Cassia fistula (Amaltas) Terminalia arjuna (Arjun) Azadirachta indica (Neem) Morus alba (Sahtoot) Dalbergia sissoo (Shisham)	300
Total			13500

The Fisheries Management Plan shall be implemented as per State Policy of the Fisheries,2008.

The Wildlife Conservation Plan prepared for both core and buffer zones shall be implemented in consultation with the local State Forest Department.

Human health issues

Resettlement & Rehabilitation plan be implemented in consultation with the State Govt. as approved by the State Govt.

Budget provisions made for the community and social development plan including community welfare schemes shall be implemented in toto.

Preventive measures viz. fuming and spraying of mosquito control shall be done in and around the labour colonies, affected villages, stagnated pools, etc. Provisions be made to not create any stagnated pools to avoid creating breeding grounds of the vector borne diseases

Provision shall be made for the housing of construction labour within the site with all necessary infrastructure and facilities such as fuel for cooking, mobile toilets, mobile STP, safe drinking water, medical health care, crèche etc. The housing may be in the form of temporary structures to be removed after the completion of the project.

Labour force to be engaged for construction works shall be examined thoroughly and adequately treated before issuing their work permit. Medical facilities shall be provided at the construction sites.

Early Warning Telemetric system shall be installed in the upper catchment area of the project for advance intimation of flood forecast.

EMP and Corporate Environment Responsibility

A total budgetary provision of Rs 7795 lakh has been made for Environmental Management Plan which comprises of Rs 7350 lakh as capital cost and Rs 445 lakh as recurring cost.

S. N.	Plans	Cost (Rs. Lakh)	Capital Cost (Rs lakh)	Annual Recurring (Rs lakh)		
				I-Yr	2-Yr	3-Yr
1.	Catchment Area Treatment	142.00	115.00	9.00	9.00	9.00

	Plan					
2	Command Area Development Plan	30.00	0.00	10.00	10.00	10.00
3.	Compensatory Afforestation Scheme	2810.00	2564.00	82.00	82.00	82.00
4.	Wildlife & Bio-diversity Management plan	26.00	2.00	8.00	8.00	8.00
5.	Fisheries Management Plan	97.00	95.05	0.65	0.65	0.65
6.	Resettlement & Rehabilitation Plan	4460.00	4460.00	0.00	0.00	0.00
7.	Green Belt Development Plan	31.00	26.20	1.60	1.60	1.60
8.	Reservoir Rim Treatment Plan	13.00	13.00	0.00	0.00	0.00
9	Muck Management Plan	14.00	2.00	4.00	4.00	4.00
10.	Landscape and Restoration Plan	1.00	1.00	0.00	0.00	0.00
11.	Restoration	5.00	5.00	0.00	0.00	0.00

	Plan for Quarry Sites					
12.	Disaster Management Plan	10.00	9.25	0.25	0.25	0.25
13.	Water, Air and Noise Management Plan	22.00	4.00	6.00	6.00	6.00
14.	Public Health Delivery Plan	19.00	2.50	5.50	5.50	5.50
15.	Labour Management Plan	8.00	2.00	2.00	2.00	2.00
16.	Sanitation and Solid Waste Management	25.00	12.40	4.20	4.20	4.20
17.	CER Plan	35.00	35.00	0.00	0.00	0.00
18.	Environmental Safeguards	21.00	0.00	7.00	7.00	7.00
19.	Energy Conservation Measures	10.00	1.00	3.0	3.0	3.0
20.	Environmental Monitoring Plan	16.00	1.00	5.00	5.00	5.00
Grand Total EMP		7795.00	7350.40	148.20	148.20	148.20

Under CER Rs 35.0 lakh is envisaged for following various activities.

S. N.	Description	I-Year (Rs lakh)	II-Year (Rs lakh)	III-Year (Rs lakh)	Total (Rs lakh)

1	Health checkup camps: awareness programme once in a year in project affected villages viz., Apchand, Gonchi, Boda Pipariya and Dhudoniya for 3 years (4 x1 x3= 12) @ Rs 50000 per camp= Rs 6.00 lakh	2.00	2.00	2.00	6.00
2	Construction of one market shed at village Parasiya @ Rs 5.0 lakh/each	0.00	0.00	5.00	5.00
3	Horticulture Training including planting, aftercare, and post-harvest management. @ Rs 500/head for 200 people=Rs 1.00 lakh	1.00	0.00	0.00	1.00
4	Training in modern/improved agriculture practices 500/head for 400 persons=Rs 2.00 lakh	0.00	1.00	1.00	2.00
5	Training in organic farming including production of vermi compost, biofertilizer etc. @500/head for 200 persons=Rs 1.00 lakh	1.00	0.00	0.00	1.00
6	Distribution of 4000 fruit bearing, fodder trees including Katang Bamboo in villages @Rs100/sapling	2.00	2.00	0.00	4.00
7	Parali Management and useful conversion through AMPRI, Bhopal	2.00	0.00	0.00	2.00
8	Farmers training for farm development for operation of pressurized irrigation system, monitoring, evaluation,	0.00	2.00	2.00	4.00

	demonstration on micro irrigation, water use efficiency @200/head for 2000 persons=Rs 4.00 lakh				
9	Providing LED Bulbs to stakeholders.	0.40	0.40	0.20	1.00
10	Providing Solar Street Lighting (40 Watts) 30 @Rs 30000.00 each.	3.00	3.00	3.00	9.00
Total		11.40	10.40	13.20	35.00

Skill mapping be undertaken for the youths of the affected project area and based on the skill mapping, necessary training to the youths be provided for their long-time livelihood generation

The company should have a well-laid-down environmental policy duly approved by the Board of Directors. The environmental policy should prescribe standard operating procedures to have proper checks and balances and to bring into focus any infringements/deviation/violation of the environmental / forest / wildlife norms / conditions. The company shall have a defined system of reporting infringements / deviation / violation of the environmental / forest / wildlife norms / conditions and / or shareholders / stakeholders. The copy of the board resolution in this regard shall be submitted to the MoEF&CC as part of six-monthly report.

A separate Environmental Cell both at the project and company head quarter level, with qualified personnel shall be set up under the control of senior Executive, who will directly to the head of the organization.

Action plan for implementing EMP and environmental conditions along with responsibility matrix of the company shall be prepared and shall be duly approved by competent authority. The year wise funds earmarked for environmental protection measures shall be kept in separate accounts and not to be diverted for any other purpose. Year-wise progress of implementation of action plan shall be reported to the Ministry/Regional Office along with the Six-Monthly Compliance Report.

Post EIA and SIA be prepared for the project through a third party and evaluation report be submitted to the Ministry after five years of commissioning of the project.

Multi Disciplinary Committee (MDC) be constituted with experts from Ecology, Forestry, Wildlife, Sociology, Soil Conservation, Fisheries, NGO, etc. to oversee implementation of various environmental safeguards proposed in EIA/EMP report during construction of the project. The monitoring report of the Committee shall be uploaded on the website of the Company.

Formation of Water User Association/Co-operative be made by involvement of the whole community to ensure discipline use of available water for irrigation purposes.

Miscellaneous

The project proponent shall make public the environmental clearance granted for their project along with the environmental conditions and safeguards at their cost by prominently advertising it in at least two local newspapers of the District or State, of which one shall be in the vernacular language within seven days and in addition this shall also be displayed in the project proponent's website permanently.

The copies of the environmental clearance shall be submitted by the project proponents to the Heads of local bodies, Panchayats and Municipal Bodies in addition to the relevant offices of the Government who in turn has to display the same for 30 days from the date of receipt.

The project proponent shall upload the status of compliance of the stipulated environment clearance conditions, including results of monitored data on their website and update the same on half-yearly basis.

The project proponent shall submit six-monthly reports on the status of the compliance of the stipulated environmental conditions on the website of the ministry of Environment, Forest and Climate Change at environment clearance portal.

The project proponent shall submit the environmental statement for each financial year in Form-V to the concerned State Pollution Control Board as prescribed under the Environment (Protection) Rules, 1986, as amended subsequently and put on the website of the company

The project proponent shall inform the Regional Office as well as the Ministry, the date of financial closure and final approval of the project by the concerned authorities, commencing the land development work and start of production operation by the project.

The project authorities must strictly adhere to the stipulations made by the State Pollution Control Board and the State Government.

The project proponent shall abide by all the commitments and recommendations made in the EIA/EMP report, commitments made during Public Hearing and also that during their presentation to the Expert Appraisal Committee.

No further expansion or modifications in the plant shall be carried out without prior approval of the Ministry of Environment, Forests and Climate Change (MoEF&CC).

Concealing factual data or submission of false/fabricated data may result in revocation of this environmental clearance and attract action under the provisions of Environment (Protection) Act, 1986.

The Ministry may revoke or suspend the clearance, if implementation of any of the above conditions is not satisfactory.

The Ministry reserves the right to stipulate additional conditions if found necessary. The Company in a time-bound manner shall implement these conditions

The Regional Office of this Ministry shall monitor compliance of the stipulated conditions. The project authorities should extend full cooperation to the officer (s) of the Regional Office by furnishing the requisite data/information/monitoring reports.

The above conditions shall be enforced, inter-alia under the provisions of the Water (Prevention & Control of Pollution) Act, 1974, the Air (Prevention & Control of Pollution) Act, 1981, the Environment (Protection) Act, 1986, Hazardous and Other Wastes (Management and Transboundary Movement) Rules, 2016 and the Public Liability Insurance Act, 1991 along with their amendments and Rules and any other orders passed by the Hon'ble Supreme Court of India / High Courts and any other Court of Law relating to the subjec

(ए.ए.मिश्रा)	(राकेश कुमार श्रीवास्तव)
सदस्य सचिव	अध्यक्ष

Following standard conditions shall be applicable for the mining projects of minor mineral in addition to the specific conditions and cases appraised for grant of TOR:

Annexure- 'A'

Standard conditions applicable to Stone/Murrum and Soil quarries:

1. Mining should be carried out as per the submitted land use plan and approved mine plan. The regulations of danger zone (500 meters) prescribed by Directorate General of Mines safety shall also be complied compulsorily and necessary measures should be taken to minimize the impact on environment.
2. The lease boundary should be clearly demarcated at site with the given co-ordinates by pillars and fenced from all around the site. Necessary safety signage & caution boards shall be displayed at mine site.
3. Arrangements for overhead sprinklers with solar pumps / water tankers should be provided for dust suppression at the exit of the lease area and fixed types sprinklers on the evacuation road. PP should maintain a log book wherein daily details of water sprinkling and vehicle movement are recorded along with annual record of water consumed in sprinkling during Summer (February to May/June) and winter session (October to January) separately.
4. Transportation of material shall only be done in covered & PUC certified vehicles with required moisture to avoid fugitive emissions. Transportation of minerals shall not be carried out through forest area without permissions from the competent authority.
5. Mineral evacuation road shall be made pucca (WBM/black top) by PP.
6. Necessary consents shall be obtained from MPPCB and the air/water pollution control measures have to be installed as per the recommendation of MPPCB.
7. Crusher with inbuilt APCD & water sprinkling system shall be installed minimum 100 meters away from the road and 500 meters away from the habitations only after the permissions of MP Pollution Control Board with atleast 04 meters high wind breaking wall of suitable material to avoid fugitive emissions.
8. Working height of the loading machines shall be compatible with bench configuration.
9. Slurry Mixed Explosive (SME) shall be used instead of solid cartridge.
10. The OB shall be reutilized for maintenance of road. PP shall bound to compliance the final closure plan as approved by the IBM.
11. Appropriate activities shall be taken up for social up-liftment of the area. Funds reserved towards the same shall be utilized through Gram Panchayat/competent authority.
12. Six monthly occupational health surveys of workers for Cardio-vascular & Pulmonary health, vital parameters as prescribed by concerned regulatory authority shall be carryout and all the workers shall be provided with necessary PPE's. Mandatory facilities such as Rest Shelters, First Aid, Proper Fire Fighting Equipments and Toilets (separate for male & female) shall also be provided for all the mine workers and other staff. Mine's site office, rest shelters etc shall be illuminated and ventilated through solar lights.
13. A separate bank account should be maintained for all the expenses made in the EMP and CER activities by PP for financial accountability and these details should be provided in Annual

Environmental Statement. In case the allocated EMP budget for mitigative measures to control the pollution is not utilized fully, the reason of under utilization of budgetary provisions for EMP should be addressed in annual return.

14. To avoid vibration, no overcharging shall be carried out during blasting and muffle blasting shall be adopted. Blasting shall be carried out through certified blaster only and no explosive will be stored at mine site without permission from the competent authority.
15. Mine water should not be discharged from the lease and be used for sprinkling & plantations. For surface runoff and storm water garland drains and settling tanks (SS pattern) of suitable sizes shall be provided.
16. All garland drains shall be connected to settling tanks through settling pits and settled water shall be used for dust suppression, green belt development and beneficiation plant. Regular de-silting of drains and pits should be carried out.
17. PP shall be responsible for discrepancy (if any) in the submissions made by the PP to SEAC & SEIAA.
18. The amount towards reclamation of the pit and land in MLA shall be carried out through the mining department. The appropriate amount as estimated for the activity by mining department has to be deposited with the Collector to take up the activity after the mine is exhausted.
19. NOC of Gram Panchayat should be obtained for the water requirement and forest department before uprooting any trees in the lease area. PP shall take Socio-economic activities in the region through the 'Gram Panchayat'.
20. The leases which are falling <250 meters of the forest area and PP has obtained approval for the Divisional Level Commissioner committee, all the conditions stipulated by Divisional Level Commissioner committee shall be fulfilled by the PP.
21. The validity of the EC shall be as per the provisions of EIA Notification subject to the following: Expansion or modernization in the project, entailing capacity addition with change in process and or technology and any change in product - mix in proposed mining unit shall require a fresh Environment Clearance.
22. If it being a case of Temporary Permit (TP), the validity of EC should be only up to the validity of TP and PP has to ensure the execution of closure plan.
23. All the mines where production is > 50,000 cum/year, PP shall develop its own website to display various mining related activities proposed in EMP & CER along with budgetary allocations. All the six monthly progress report shall also be uploads on this website along with MoEF&CC & SEIAA, MP with relevant photographs of various activities such as garland drains, settling tanks, plantation, water sprinkling arrangements, transportation & haul road etc. PP or Mine Manager shall be made responsible for its maintenance & regular updation.
24. All the soil queries, the maximum permitted depth shall not exceed 02 meters below general ground level & other provisions laid down in MoEF&CC OM No. L-11011/47/2011-IA.II(M) dated 24/06/2013.
25. The mining lease holders shall after ceasing mining operation, undertake re-grassing the mining area and any other area which may have been disturbed due to their mining activities and restore the land to a condition which is fit for growth of fodder, flora , fauna etc. Moreover, a separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M, of MoEF&CC issued vide letter F.No. 22-34/2018-IA. III, dated 16/01/2020.
26. The project proponent shall follow the mitigation measures provided in MoEF&CCs Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-IA. II (M) dated 29th October 2014, titled "Impact of mining

activities on Habitations-issues related to the mining Projects wherein Habitations and villages are the part of mine lease areas or Habitations and villages are surrounded by the mine lease area".

27. Any change in the correspondence address shall be duly intimated to all the regulatory authority within 30 days of such change.
28. Authorization (if required) under Hazardous and Other Wastes (Management and Transboundary Movement) Rules, 2016 should be obtained by the PP if required.
29. A display board (in hindi) with following details of the project is mandatory at the entry to the mine.
    a. Lease owner's Name, Contact details etc.
    b. Mining Lease area of the project (in ha.) with latitude and longitude.
    c. Length, breadth, sanctioned depth of mine and mining time.
    d. Sanctioned Production capacity of the project as per EC and Consent of MPPCB.
    e. Method of mining (Mannual/Semi Mechanised) and Blasting or Non-blasting.
    f. Plantation and CER activities.
30. Dense plantation/ wood lot shall be carryout in the 7.5 meters periphery/barrier zone of the lease through concern CCF (social forestry) or concerned DFO or any other suitable agency and on mineral evacuation road & common area in the village through any suitable Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
31. Entire plantation proposed in barrier zone of lease area shall be carried out as per submitted plantation scheme and along the fencing seed sowing of Neem, Babool, Safed Castor etc shall also be carried out.
32. Top soil shall be simultaneously used for the plantation within the lease area and no OB/dump shall be stacked outside the lease area. PP should take-up entire plantation activity within initial three years of mining operations and shall maintain them for entire mine life including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations. PP shall explore the possibility for plantation in adjoining forest land in consultation with concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
33. Local palatable mixture of annual and perennial grass and fodder tree species shall be planted for grassland/fodder development on degraded forest land through forest department or on other community land available for grassland and fodder development through Gram Panchayat in concerned village and handed over to Gram Panchayat after lease period.
34. Before onset of monsoon season as per submitted plantation scheme fruit bearing species preferably of fodder / native shall be distributed in nearby villagers to promote plantation and shall be procured from social forestry nursery/ Government Horticulture nursery. This activity shall be carried out under Govt. of Madhya Pradesh "ANKUR YOJNA" by registering individual villagers on "Vayudoot app". Where ever Aushadhi Vatika (Medicinal Garden) is proposed by PP, a minimum of 50 saplings be planted considering 80% survival with proper protection measures in School or Aganwadi premises.
35. Adequate provisions of water for irrigating plantation shall be made by PP.
36. Activities proposed under CER should be based upon outcome of public hearing in category for B-1 projects. However in case of B-2 projects, CER shall be proposed based upon local need assessment and Gram Panchayat Annual Action Plan.
37. लीज क्षेत्र के अंदर में केवल क्रेशर /एम–सेंड प्लांट स्थित है, परियोजना प्रस्तावत निम्न शर्तों का पालन करेगा।

- खनन क्षेत्र में प्रस्तावित माईन आधारित क्रेशर प्लान्ट/एम.सेड प्लांट हेतु म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से नियमानुसार स्थापना एवं संचालन सम्मति प्राप्त करना होगी।
- म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की दिशा निर्देशों के अनुसार प्रस्तावित क्रेशर प्लान्ट/एम.सेड प्लांट में स्लरी प्रबंधन तथा वायु प्रदूषणरोधी उपकरणों की स्थापना सुनिश्चित की जावेगी।

38. **क्रशर अथवा एम सेंड प्लान्ट प्रस्तावित नही है ,परियोजना प्रस्तावत निम्न शर्तों का पालन करेगा।**

- परियोजना प्रस्तावक के अनुसार लीज क्षेत्र में क्रेशर प्लान्ट/ एम.सेड प्लांट प्रस्तावित नही है, अतः लीज क्षेत्र में क्रेशर प्लान्ट/एम.सेड प्लांट स्थापित करने की अनुमति नही दी जा सकेगी।
- खनन क्षेत्र से बाहर प्रस्तावित माईन आधारित क्रेशर प्लान्ट/एम.सेड प्लांट हेतु म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से नियमानुसार स्थापना एवं संचालन सम्मति प्राप्त करना होगी।
- म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की दिशा निर्देशों के अनुसार प्रस्तावित क्रेशर प्लान्ट/एम.सेड प्लांट में स्लरी प्रबंधन तथा वायु प्रदूषणरोधी उपकरणों की स्थापना सुनिश्चित की जावेगी।

39. **यदि आवंटित खनन पट्टा भू–स्वामी की सहमति /अनुबंध पर हो तो परियोजना प्रस्तावत निम्न शर्तों का पालन सुनिश्चित करेगा।**

1. **<u>क्षतिपूर्ति के संबंध में:–</u>**

- म.प्र. भू राजस्व संहिता 1959 की धारा 247 (5) के तहत संबंधित जिला कलेक्टर द्वारा भूमि स्वामियों की क्षतिपूर्ति के निर्धारण हेतु किये गये प्रावधानों/उपबंधों का पालन भूमि स्वामियो को समक्ष में सुनकर भूमि के सतह अधिकार के संबंध में क्षतिपूर्ति का निर्धारण सुनिश्चित किया जाये।
- म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 9 (क) एवं नियम,06(क) के प्रावधान अंतर्गत कण्डिका 04 में किये गये प्रावधानों के अनुरूप सहमति धारक को उत्खनन पट्टा स्वीकृत होने पर, देय रॉयल्टी के 15 प्रतिशत के समतुल्य रकम का सहमति धारक को भुगतान सुनिश्चित किया जाये। उपरोक्त शर्तो का पालन भू–प्रवेश अनुमति के पूर्व सुनिश्चित किया जावें।

अध्यक्ष की अनुमति से चर्चा के अन्य बिन्दु :–

वर्तमान में परिवेश–2.0 पोर्टल में पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति के परियोजनाओं के प्राप्त आवेदनों का सेक स्तर पर प्रक्रिया शुल्क संबंधी फीस की ऑनलाईन जमा शुल्क संबंधी दस्तावेजों के आधार पर प्रकरण को स्वीकार कर, प्रकरणों का तकनीकी परीक्षण कर अपनी अनुशंसा को प्रेषित करता है, अतः सेक स्तर पर शुल्क का मिलान करना व्यवहारिक तौर पर संभव नहीं है । उपरोक्त परिपेक्ष्य में समिति की अनुशंसा है, कि सिया द्वारा शुल्क का परीक्षण कर रिकार्ड संधारण/पुष्टि का कार्य पूर्ववत् ही किया जावें तथा शुल्क का समाधान होने पर ही ई.सी. के संबंध में निर्णय लिया जावें।

(ए.ए.मिश्रा)
सदस्य सचिव

(राकेश कुमार श्रीवास्तव)
अध्यक्ष

Annexure- 'B'

Standard conditions applicable for the Sand Mine Quarries*

1. District Authority should annually record the deposition of sand in the lease area (at an interval of 100 meters for leases 10 ha or > 10.00 ha and at an interval of 50 meters for leases < 10 ha.) before monsoon & in the last week of September and maintain the records in RL (Reduce Level) Measurement Book. Accordingly authority shall allow lease holder to excavate only the replenished quantity of sand in the subsequent year.
2. The lease boundary should be clearly demarcated at site with the given co-ordinates by pillars. Necessary safety signage & caution boards shall be displayed at mine site.
3. Arrangements for overhead sprinklers with solar pumps / water tankers should be provided for dust suppression at the exit of the lease area and fixed types sprinklers on the evacuation road. PP should maintain a log book wherein daily details of water sprinkling and vehicle movement are recorded.
4. Only registered vehicles/tractor trolleys with GPS which are having the necessary registration and permission for the aforesaid purpose under the Motor Vehicle Act and also insurance coverage for the same shall alone be used for said purpose.
5. Transportation of material shall only be done in covered & PUC certified vehicles with required moisture to avoid fugitive emissions. Transportation of minerals shall not be carried out through forest area without permissions from the competent authority.
6. Mineral evacuation road shall be made Pucca (WBM/black top) by PP.
7. Sand and gravel shall not be extracted up to a distance of 1 kilometer (1Km) from major bridges and highways on both sides, or five times (5x) of the span (x) of a bridge/public civil structure (including water intake points) on up-stream side and ten times (10x) the span of such bridge on down-stream side, subjected to a minimum of 250 meters on the upstream side and 500 meters on the downstream side.
8. Mining depth should be restricted to 3 meters or water level, whichever is less and distance from the bank should be $1/4^{th}$ or river width and should not be less than 7.5 meters. No in-stream mining is allowed. Established water conveyance channels should not be relocated, straightened, or modified.
9. Demarcation of mining area with pillars and geo-referencing should be done prior to the start of mining.
10. PP shall carry out independent environmental audit atleast once in a year by reputed third party entity and report of such audit be placed on public domain such audits be placed on public domain through website developed for public interface along with photographs of work done w.r.t. EMP as well as CER.
11. No Mining shall be carried out during Monsoon season.
12. The mining shall be carried out strictly as per the approved mine plan and in accordance with the Sustainable Sand Mining Management Guidelines, 2016 and Enforcement & Monitoring Guidelines for Sand Mining, 2020 issued by the MoEF&CC ensuring that the annual replenishment of sand in the mining lease area is sufficient to sustain the mining operations at levels prescribed in the mining plan.
13. If the stream is dry, the excavation must not proceed beyond the lowest undisturbed elevation of the stream bottom, which is a function of local hydraulics, hydrology, and geomorphology.
14. After mining is complete, the edge of the pit should be graded to a 2.5:1 slope in the direction of the flow.

15. Necessary consents shall be obtained from MPPCB and the air/water pollution control measures have to be installed as per the recommendation of MPPCB.
16. Appropriate activities shall be taken up for social up-liftment of the area. Funds reserved towards the same shall be utilized through Gram Panchayat/competent authority.
17. Six monthly occupational health surveys of workers shall be carryout and all the workers shall be provided with necessary PPE's. Mandatory facilities such as Rest Shelters, First Aid, Proper Fire Fighting Equipments and Toilets (separate for male & female) shall also be provided for all the mine workers and other staff. Mine's site office, rest shelters etc shall be illuminated and ventilated through solar lights. All these facilities such as rest shelters, site office etc. Shall be removed from site after the expiry of the lease period.
18. A separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M, of MoEF&CC issued vide letter F.No. 22-34/2018-IA. III, dated 16/01/2020 and these details should be provided in Annual Environmental Statement.
19. In case the allocated EMP budget for mitigative measures to control the pollution is not utilized fully, the reason of under utilization of budgetary provisions for EMP should be addressed in annual return.
20. PP shall be responsible for discrepancy (if any) in the submissions made by the PP to SEAC & SEIAA.
21. The amount towards reclamation of the pit and land in MLA shall be carried out through the mining department. The appropriate amount as estimated for the activity by mining department has to be deposited with the Collector to take up the activity after the mine is exhausted.
22. NOC of Gram Panchayat should be obtained for the water requirement and forest department before uprooting any trees in the lease area.
23. The leases which are falling <250 meters of the forest area and PP has obtained approval for the Divisional Level Commissioner committee, all the conditions stipulated by Divisional Level Commissioner committee shall be fulfilled by the PP.
24. The validity of the EC shall be as per the provisions of EIA Notification subject to the following: Expansion or modernization in the project, entailing capacity addition with change in process and or technology and any change in product - mix in proposed mining unit shall require a fresh Environment Clearance.
25. If it being a case of Temporary Permit (TP), the validity of EC should be only up to the validity of TP and PP has to ensure the execution of closure plan.
26. A separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M dated 16/01/2020.
27. The project proponent shall follow the mitigation measures provided in MoEFCCs Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-IA. II (M) dated 29th October 2014, titled "Impact of mining activities on Habitations-issues related to the mining Projects wherein Habitations and villages are the part of mine lease areas or Habitations and villages are surrounded by the mine lease area".
28. Any change in the correspondence address shall be duly intimated to all the regulatory authority within 30 days of such change.
29. A display board with following details of the project is mandatory at the entry to the mine.
    a. Lease owner's Name, Contact details etc.
    b. Mining Lease area of the project (in ha.) with latitude and longitude.
    c. Length, breadth and sanctioned depth of mine.
    d. Minable Potential of sand mine.
    e. Sanctioned Production capacity of the project as per EC and Consent of MPPCB.
    f. Method of mining (Mannual/Semi Mechanised)

30. Following conditions must be implemented by PP in case of sand mining as per NGT (CZ) order dated 19/10/2020 in OA NO. 66/2020 and SEIAA's instruction vide letter No. 5084 dated 09/12/2020.
    i. The Licensee must use minimum number of poclains and it should not be more than two in the project site.
    ii. The District Administration should assess the site for Environmental impact at the end of first year to permit the continuation of the operation.
    iii. The ultimate working depth shall be 01 m from the present natural river bed level and the thickness of the sand available shall be more than 03 m the proposed quarry site.
    iv. The sand quarrying shall not be carried out blow the ground water table under any circumstances. In case, the ground water table occurs within the permitted depth at 01 meter, quarrying operation shall be stopped immediately.
    v. The sand mining should not disturb in any way the turbidity, velocity and flow pattern of the river water.
    vi. After closure of the mining, the licensee shall immediately remove all the sheds put up in the quarry and all the equipments used for operation of sand quarry. The roads/pathways shall be leveled to let the river resume its normal course without any artificial obstruction to the extent possible.
    vii. The mined out pits to be backfilled where warranted and area should be suitable landscaped to prevent environmental degradation.
    viii. PP shall adhere to the norms regarding extent and depth of quarry as per approved mining plan. The boundary of the quarry shall be properly demarcated by PP.

31. Species such as Khus Slips and Nagar Motha shall be planted on the river banks for bank stabilization and to check soil erosion while on mineral evacuation road & common area in the village through any suitable Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
32. Top soil shall be simultaneously used for the plantation within the lease area and no OB/dump shall be stacked outside the lease area. PP should take-up entire plantation activity within initial three years of mining operations and shall maintain them for entire mine life including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations. PP shall explore the possibility for plantation in adjoining forest land in consultation with concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
33. Local palatable mixture of annual and perennial grass and fodder tree species shall be planted for grassland/fodder development on degraded forest land through forest department or on other community land available for grassland and fodder development through Gram Panchayat in concerned village and handed over to Gram Panchayat after lease period.
34. During initial three years before onset of monsoon season, minimum 100 saplings or maximum as per submitted plantation scheme and subsequently approved by the SEAC of fodder / native fruit bearing species shall be distributed in nearby villagers to promote plantation and shall be procured from social forestry nursery/ Government Horticulture nursery. This activity shall be carried out under Govt. of Madhya Pradesh "ANKUR YOJNA" by registering individual villagers on "Vayudoot app". Where ever Aushadhi Vatika (Medicinal Garden) is proposed by PP, a minimum of 50 saplings be planted considering 80% survival with proper protection measures in School or Aganwadi premises.

35. Adequate provisions of water for irrigating plantation shall be made by PP.
36. Activities proposed under CER should be based upon outcome of public hearing in category for B-1 projects. However in case of B-2 projects, CER shall be proposed based upon local need assessment and Gram Panchayat Annual Action Plan.
37. As per Enforcement and Monitoring Guidelines for Sand Mining 2020 , Page no. 24 Para (r) minimum 7.5 meters (inward) "from the river bank" shall be restricted should be followed in verbatum as the para says.
38. विगत वर्षो में जारी पूर्व पर्यावरण स्वीकृति में एवं वर्तमान में जारी पर्यावरण स्वीकृति में उल्लेखित समस्त शर्तो का पालन मध्यप्रदेश स्टेट माईनिंग कॉर्पोरेथन द्वारा सुनिश्चित किया जावेगा।
39. पूर्व एवं वर्तमान ई.सी. शर्तो का पालन प्रतिवेदन निर्धारित समयावधि में एम.ओ.ई.एफ. एण्ड सी.सी. तथा एम.पी. सिया, के समक्ष प्रस्तुत किया जायेगा।